राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 313 | शुक्रवार 07 मार्च 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 | पेजः 8 मूल्य : 2 रुपया

बिहार में 40 किमी की रफ्तार से आएगा तूफान, उप्र सहित 14 राज्यों में बारिश

नई दिल्ली। नॉर्थ-ईस्ट असम और उसके आस-पास एक चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। इसके कारण मौसम का मिजाज बदल सकता है। इसके अलावा, एक नया पश्चिमी विक्षोभ 9 मार्च से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में प्रभाव डालने की संभावना है। बिहार में बारिश के साथ आंधी, बिजली गरजने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। 7 और 8 मार्च को गंगा से सटे पश्चिम बंगाल और सिक्किम में आंधी और बिजली गिरने की संभावना है। पिछले 24 घंटों में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और उत्तर महाराष्ट्र में उत्तर-पश्चिम दिशा से तेज हवाएं चलीं। इसके कारण इन राज्यों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई। वहीं, जम्मू-कश्मीर, गिलगिट, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में हल्की बारिश और बर्फबारी हुई। असम में भी हल्की बारिश हुई। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश में दिन और रात के तापमान में 4-5 डिग्री की गिरावट आई, जबकि हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और गुजरात में 3-4 डिग्री की गिरावट आई।

आज कैसा रहेगा मौसम का मिजाज

अगले 24 घंटों में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, विदर्भ, राजस्थान, गुजरात और उत्तर महाराष्ट्र में उत्तर-पश्चिम दिशा से तेज हवाएं चलती रहेंगी और इसके बाद वे धीरे-धीरे कम हो जाएंगी। पूर्वी असम और अरुणाचल प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। लक्षद्वीप और केरल में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। राजस्थान और गुजरात में अगले 24 घंटों में अधिकतम तापमान में और गिरावट हो सकती है।

योगी के बुलडोजर एक्शन पर नाराज हुआ सुप्रीम कोट... फर्टकार लगा दी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्रयागराज में कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना लोगों के घर गिरने के मामले पर संज्ञान लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार को जमकर फटकार लगा दी है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि इस तरह की कार्रवाई चौंकाने वाली है और बेहद गलत उदाहरण पेश करती है। सुनवाई के दौरान जस्टिस अभय ओका और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने घरों को तोड़ने को अत्याचारी कदम बताया है। साथ ही कोर्ट ने ढहाए गए घरों के पुनर्निर्माण के निर्देश भी दिए हैं। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा, प्रथम दृष्टया, यह कार्रवाई चौंकाने वाली है और गलत संदेश देती है। आप घरों को तोड़कर इसतरह का एक्शन क्यों ले रहे हैं। हम जानते हैं कि इस तरह के तकनीकी तर्कों से कैसे निपटना है। आखिरकार अनुच्छेद 21 और आश्रय के अधिकार जैसी कोई चीज होती है। सुप्रीम कोर्ट में जुल्फिकार हैदर, प्रोफेसर अली अहमद, दो विधवाओं और एक अन्य व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई चल रही थी, जिन्होंने योगी सरकार पर गैर कानूनी तरीके से घरों को गिराने के आरोप लगाए हैं। वहीं योगी सरकार के मुताबिक जमीन गैंगस्टर-राजनेता अतीक अहमद की थी, जो 2023 में पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था।

शमी ने नहीं रखा रोजा तो हो गया विवाद, मौलाना बोले- शरियत की नजर में गुनाह

-बीजेपी ने किया शमी का समर्थन

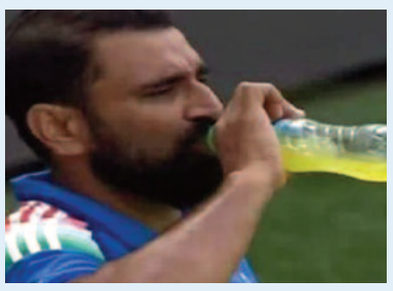

बरेली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एक नए विवाद में घिरते नजर आ रहे हैं। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने उन पर रमजान के महीने में रोजा न रखने का आरोप लगाते हुए, इसे शरीयत की नजर में गुनाह करार दिया है। दरअसल, दुबई में खेले गए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल मैच के दौरान मोहम्मद शमी की एनर्जी ड्रिंक पीते हुए एक तस्वीर वायरल हुई थी। इस पर मौलाना रजवी ने नाराजगी जताई और कहा कि शमी ने रोजा नहीं रखकर इस्लामिक नियमों का उल्लंघन किया है। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा, इस्लाम में रोजा एक फर्ज है, और जो इसे जानबूझकर नहीं रखता, वह गुनहगार होता है। शमी को रोजा रखना चाहिए था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया, जिससे वह शरीयत की नजर में गुनहगार बन गए हैं। मैं उन्हें नसीहत देता हूं कि वह इस्लामिक नियमों का पालन करें और अपनी धार्मिक जिम्मेदारियों को निभाएं।

शमी के समर्थन में बीजेपी आई आगे

मौलाना रजवी के इस बयान के बाद बीजेपी खुलकर शमी के समर्थन में आ गई है। बीजेपी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा, धर्म किसी की व्यक्तिगत आस्था का विषय है। कोई भी व्यक्ति यह तय नहीं कर सकता कि किसी को क्या करना चाहिए और क्या नहीं। शमी देश के लिए खेल रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों को यह बर्दाश्त नहीं हो रहा।

सोशल मीडिया पर छिड़ गई बहस

इस मुद्दे पर सोशल मीडिया पर भी बहस छिड़ गई है। कुछ लोग शमी के समर्थन में यह तर्क दे रहे हैं कि रमजान के दौरान खिलाड़ियों के लिए छूट होती है ताकि वे मैच खेल सकें। शमी देश के लिए खेल रहे थे, इसलिए उन्हें एनर्जी ड्रिंक पीना पड़ा। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि उन्हें धार्मिक नियमों का पालन करना चाहिए था। इस विवाद ने धार्मिक और राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है। यह अलग बात है कि मोहम्मद शमी ने इस मामले में किसी तरह की कोई प्रतिक्रिया अभी तक नहीं दी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'घाम तापो' के तौर पर की उत्तराखंड विंटर टूरिज्म की ब्रांडिंग

देहरादून/नई दिल्ली(एजेंसी)। एक दिवसीय शीतकालीन यात्रा पर उत्तरकाशी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मुखवा और हर्षिल से उत्तराखंड में शीतकालीन तीर्थाटन और पर्यटन की जोरदार ब्रांडिंग की। प्रधानमंत्री ने तीर्थयात्रियों, पर्यटकों से लेकर कॉरपोरेट और फिल्म उद्योग तक को विंटर सीजन में उत्तराखंड आने का निमंत्रण दिया। पीएम मोदी ने उत्तराखंड के विंटर टूरिज्म की 'घाम तापो टूरिज्म' के तौर पर ब्रांडिंग की है।

गुरुवार को हर्षिल में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले बीते दिनों माणा में हुए हिमस्खलन में दिवंगत लोगों के प्रति दुख व्यक्त किया। इसके बाद उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की यह भूमि आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत है। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड से अपना आत्मीय लगाव व्यक्त करते हुए कहा कि वो जीवनदायनी मां गंगा के शीतकालीन गद्दी स्थल पर अपने परिवारजनों के बीच पहुंचकर धन्य महसूस कर रहे हैं। मां गंगा की कृपा से ही उन्हें दशकों तक उत्तराखंड की सेवा का सौभाग्य मिला। मां गंगा के आशीर्वाद से ही वो काशी पहुंचकर सांसद के रूप में काशी की सेवा कर रहे हैं, इसलिए उन्होंने कहा था कि मां गंगा ने ही उन्हें काशी बुलाया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने दार्शनिक अंदाज में कहा कि उन्हें कुछ महीने पहले अनुभूति हुई कि जैसे मां गंगा ने उन्हें गोद ले लिया है, अब अपने बच्चे के प्रति मां गंगा का दुलार ही है कि वो आज खुद मुखवा गांव पहुंच पाए हैं। उन्होंने कहा कि वो हर्षिल की धरती पर आकर, अपनी दीदी भुलियों को भी याद कर रहे हैं, क्योंकि वो उन्हें हर्षिल की राजमा और अन्य लोकल प्रोडक्ट भी भेजती रहती हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले जब वो बाबा केदार के दर्शन के लिए आए थे तो बाबा के दर्शन के बाद उनके मुंह से अचानक ही भाव प्रकट हुआ कि ये दशक उत्तराखंड का होने जा रहा है। ये भाव भले ही उनके थे, लेकिन इसके पीछे सामर्थ्य देने की शक्ति बाबा केदार की थी। अब बाबा के आशीर्वाद से ये शब्द धीरे-धीरे सच्चाई में बदल रहे हैं। ये दशक अब उत्तराखंड का बन रहा है। उत्तराखंड की प्रगति के लिए, नए-नए रास्ते खुल रहे हैं, जिन आकांक्षाओं को लेकर उत्तराखंड का जन्म हुआ था, उत्तराखंड नित्य नए लक्ष्य और संकल्प लेते हुए, उन्हें पूरा कर रहा है।

जम्मू-कश्मीर मसले का एकमात्र हल पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले हिस्से की वापसी : जयशंकर

लंदन/नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर मसले का एकमात्र बाकी हल पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले हिस्से की वापसी है।

डॉ. जयशंकर ने कल शाम यहां चैथम हॉल में संवाद कार्यक्रम में एक पाकिस्तानी पत्रकार के जम्मू-कश्मीर के मसले के समाधान के बारे में एक सवाल के जवाब में कहा, 'हमने इसमें से अधिकांश को हल करने के लिए अच्छा काम किया है। अनुच्छेद 370 को हटाना, विकास और समृद्धि को बहाल करना, चुनाव आयोजित करना जिसमें अभूतपूर्व मतदान दर्ज किया गया है।'

विदेश मंत्री ने कहा, 'हम जिस चीज का इंतजार कर रहे हैं, वह कश्मीर के चोरी हुए हिस्से की वापसी है, जो अवैध पाकिस्तानी कब्जे में है। जब ऐसा किया जाएगा, तो मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, कश्मीर मसला हल हो जाएगा।' पाकिस्तानी पत्रकार ने पूछा था कि अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प शांति एवं बातचीत से विवादों के

समाधान के पक्षधर हैं तो क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कश्मीर के मसले के समाधान के लिए बात करेंगे। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन की नीतियों के भारत पर प्रभाव से संबंधित एक सवाल के जवाब में कहा, 'पिछले कुछ हफ्तों में हमने जो कुछ भी देखा है, वह वैसा ही है जैसी हमें पहले से उम्मीद थी। मुझे तो इस बात का आश्चर्य है, लोग आश्चर्यचकित हो रहे हैं।' इससे पहले लंदन की सड़कों पर खालिस्तानी अलगाववादियों एवं आतंकवादियों ने विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर के काफिले को रोक कर भारत विरोधी नारेबाजी की और भारत के राष्ट्रीय ध्वज को फाड़कर अपमान किया। लंदन पुलिस के अधिकारी इस घटना के मूकदर्शक बने रहे। इस घटना की भारत के विदेश मंत्रालय ने कड़ी निंदा की है और ब्रिटिश सरकार का उसके राजनयिक दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया है।

औचक निरीक्षण पर सरकारी स्कूल में पहुंची सीएम रेखा गुप्ता, अधिकारियों को लगाई फटकार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को एक बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया और अपने निर्वाचन क्षेत्र शालीमार बाग में पेयजल, स्वच्छता और सड़कों की स्थिति का आकलन किया। सीएम गुप्ता ने शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड संख्या 55 के शालीमार ग्राम चौक, मैक्स रोड, हैदरपुर ग्राम चौक और अन्य क्षेत्रों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पानी, स्वच्छता और सड़क से संबंधित सभी मुद्दों को हल करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्कूल, सड़कों की खराब व्यवस्था देश अधिकारियों को फटकार भी लगाई। शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र का निरीक्षण करने के बाद दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि यहां लोग सीवेज की वजह से परेशान हैं, नालियां अभी तक नहीं बनी हैं। औद्योगिक क्षेत्र में जो काम होना था, वह अभी तक नहीं हुआ है। छोटे मार्केट कॉम्प्लेक्स भी इसी समस्या से जूझ रहे हैं। बड़े मार्केट एरिया में सफाई जैसी समस्या है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार सिर्फ लोगों की समस्याओं और दर्द का विज्ञापन करती थी, लेकिन मैं इन मुद्दों को हल करने की कोशिश करूंगी। रेखा गुप्ता ने इसके बाद एक्स पर लिखा कि शालीमार बाग के वार्ड नंबर 55 में आयोजित कार्यकर्ता सम्मान समारोह के दौरान देवतुल्य कार्यकर्ता बंधुओं से मिलकर और राधे-कृष्ण की भक्ति में डूबकर मेरा मन दिव्य एवं प्रफुल्लित हो उठा। आपकी असीमित ऊर्जा, दिल्ली के विकास के प्रति आपकी दृढ़ प्रतिबद्धता ने मुझे विशेष रूप से प्रभावित किया। आप इसी उत्साह और समर्पण के साथ जनकल्याण की दिशा में सदैव संलग्न रहें, यही मेरी कामना है।

इंडियाज गॉट लैटेंट विवाद: इलाहाबादिया, अपूर्वा मखीजा राष्ट्रीय महिला आयोग के समक्ष पेश

नई दिल्ली। कॉमेडियन समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लैटेंट' में की गईं अपमानजनक टिप्पणियों के सिलसिले में रणवीर इलाहाबादिया और अपूर्वा मखीजा बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय महिला आयोग के समक्ष पेश हुए। सूत्रों ने बताया कि दोनों ने पूरे प्रकरण पर खेद व्यक्त किया। सूत्रों ने बताया कि शो के निर्माता सौरभ बोथरा और तुषार पुजारी तथा कॉमेडियन जसप्रीत सिंह और यूट्यूबर आशीष चंचलानी के वकील भी आयोग के समक्ष पेश हुए। सूत्रों ने बताया कि ये सभी आयोग के समक्ष अलग-अलग पेश हुए। सूत्रों ने कहा कि इलाहाबादिया और मुखीजा से घंटों पूछताछ की गई और उन्होंने पूरे प्रकरण पर खेद जताया। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने शो में इलाहाबादिया, मखीजा, रैना, जसप्रीत सिंह और आशीष चंचलानी द्वारा की गईं अश्लील और आपत्तिजनक टिप्पणियों को गंभीरता से लिया था और उन्हें तथा पुजारी एवं बोथरा को तलब किया था। रैना के शो में माता-पिता और यौन संबंधों पर टिप्पणी करने को लेकर इलाहाबादिया के खिलाफ कई प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। उच्चतम न्यायालय ने रणवीर इलाहाबादिया को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया है। इसने उनकी टिप्पणी को ''अश्लील'' करार देते हुए कहा था कि उनकी ''विकृत मानसिकता'' से समाज को शर्मिंदा होना पड़ा।

पीओके को वापस लाने पर बोले उमर अब्दुल्ला

कारगिल युद्ध के समय ही क्यों नहीं लिया, क्या हमने उन्हें कभी रोका?

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लेने की हालिया टिप्पणी पर कटाक्ष किया। उन्होंने इस क्षेत्र को वापस लेने के लिए केंद्र सरकार की मंशा और क्षमता पर सवाल उठाए और साथ ही जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों पर चीन के नियंत्रण की ओर भी इशारा किया। विधानसभा को संबोधित करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि विदेश मंत्री ने कहा है कि वे पाकिस्तान द्वारा नियंत्रित कश्मीर के हिस्से को वापस लाएंगे। क्या हमने उन्हें कभी रोका? अगर वे इसे वापस ला सकते हैं, तो उन्हें अभी ऐसा करना चाहिए।

केंद्र को चुनौती देते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता ने सवाल किया कि

सरकार केवल पीओके पर ही ध्यान क्यों दे रही है, जबकि जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों पर चीन के नियंत्रण को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने पूछा, 'एक हिस्सा पाकिस्तान के पास है, लेकिन दूसरा हिस्सा चीन के पास है - कोई इस बारे में बात क्यों नहीं करता?' उन्होंने सवाल किया कि कारगिल युद्ध के समय पीओके को क्यों नहीं लिया? वहीं, भाजपा विधायक एवं विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने पलटवार करते हुए तहा कि जब सरकार पीओके को वापस लेने की योजना बनाएगी तो उमर अब्दुल्ला से सलाह नहीं ली जाएगी।

पाकिस्तान के साथ बातचीत की वकालत करने वाले विधायकों पर कटाक्ष करते हुए शर्मा ने कहा कि ऐसे मामले सदन के अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं। उन्होंने कहा, 'यह संसद का अधिकार क्षेत्र है और उन्होंने अतीत में भी इस पर काम किया है। अटल बिहारी वाजपेयी ने भी प्रयास किया था।' वाजपेयी के दौर और मौजूदा भाजपा के बीच समानताएं बताने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की आलोचना करते हुए शर्मा ने कहा, 'भाजपा एक विचारधारा वाली पार्टी है। हमारी विचारधारा तब भी वही थी जो आज है।'

अवैध ऑनलाइन गेमिंग को रोकने के लिए सरकार को गूगल, मेटा का साथ लेना होगा: रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में तेजी से बढ़ते अवैध ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र के उन्मूलन के लिए जरूरी है कि सरकार गूगल और मेटा जैसी बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ मिलकर प्रयास करे। एक रिपोर्ट में यह सुझाव दिया गया है।

शोध संस्थान डिजिटल इंडिया फाउंडेशन ने एक रिपोर्ट में कहा कि गैरकानूनी ऑपरेटर डिजिटल विज्ञापन और मार्केटिंग चैनलों, भुगतान पारिस्थितिकी और सॉफ्टवेयर प्रदाताओं के बेहद परिष्कृत नेटवर्क के जरिये अपना संचालन बरकरार रखने में सफल रहते हैं। रिपोर्ट कहती है, ''इस गैरकानूनी क्षेत्र का सालाना आकार 100 अरब डॉलर से अधिक है और यह प्रति वर्ष 30 प्रतिशत की दर से तेजी से बढ़ रहा है। ऐसा डिजिटल माध्यम को तेजी से अपनाने, प्रौद्योगिकी प्रगति और नियामकीय अनिश्चितता बढ़ने के कारण है।'' रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय नियामकों को गूगल और मेटा जैसे सोशल मीडिया दिग्गजों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने की जरूरत है क्योंकि ऑनलाइन जुए से संबंधित प्रचार पर लगाम लगा पाना काफी असंगत बना हुआ है। डिजिटल इंडिया फाउंडेशन के संस्थापक अरविंद गुप्ता ने कहा कि ऐसा होने से धनशोधन और अवैध भुगतान तेजी से बढ़ा है। उन्होंने कहा कि गूगल और मेटा जैसी कंपनियां विज्ञापन और सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ) से लाभ कमाती हैं। शायद यही कारण है कि ये कंपनियां अक्सर अवैध सट्टेबाजी और जुआ फर्मों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में नाकाम रहती हैं। गुप्ता ने कहा, ''इन कंपनियों का कम-से-कम एक तिहाई हिस्सा इन वेबसाइट के जरिये ही आ रहा है। बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां विज्ञापन से पैसा कमा रही हैं।

प्रभावशाली लोग भी इसके प्रभाव को ध्यान में रखे बगैर गलत तरीके से इनका प्रचार कर रहे हैं।'' रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में अवैध जुए और सट्टेबाजी का पैमाना बहुत बड़ा है। अक्टूबर और दिसंबर, 2024 के बीच चार मंचों पर 1.6 अरब से अधिक लोग पहुंचे। विश्लेषण से पता चलता है कि इस आवाजाही को बढ़ाने में सोशल मीडिया की अहम भूमिका रही है। गुप्ता ने कहा, ''जुए से जुड़े मंच सरोगेट कंपनियां बनाकर और उनके माध्यम से भुगतान लेकर या वितरण चैनल बनाकर भुगतान मानदंडों को दरकिनार कर रहे हैं।''

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से हज यात्रा के महंगे एयर टिकट पर 7 दिन में फैसला लेने का कहा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हज यात्रा के महंगे एयर टिकट की कीमत पर केंद्र सरकार से एक सप्ताह में फैसला लेने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश केंद्र सरकार की ओर से दिए गए बयान के बाद दिया है। सरकार की ओर से दिए गए बयान में कहा गया है कि हवाई जहाज के किराए को लेकर उठाए सवाल के आधार पर जांच की जाएगी। सरकार के निर्णय के कारणों को वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। ताकि यह दिखाया जा सके कि कालीकट से जेद्दा की हज यात्रा केरल के अन्य जगहों से की जाने वाली यात्रा की तुलना में अधिक महंगी क्यों है? कोर्ट में गुरुवार को महंगे टिकट पर सवाल उठाने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं के मुताबिक 85-86 हजार की जगह एक लाख रुपए किराया लिया जा रहा है। इस आधार पर यह कृत्य मनमाना है। हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा कि इस बात पर विवाद नहीं है कि किराया अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय द्वारा तय किया जाता है। ऐसे में नीतिगत विषय में कोर्ट द्वारा कोई राय व्यक्त करना उचित नहीं है। अगर कोर्ट द्वारा याचिका को अस्वीकार कर दिया जाता है तो यह हज यात्रियों के लिए प्रतिकूल होगा और उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। बताते चले कि कालीकट से रवाना होकर जेद्दा पहुंचने वाली फ्लाइट के लिए हज यात्रियों से एक लाख रुपए का किराया लिया जाता है। जबकि केरल के अन्य जगहों के जेद्दा जाने वाली फ्लाइट की कीमत इससे कम है। इसी मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की गई थी। जिसकी सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक सप्ताह में फैसला लेने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ नए मुकदमे पर रोक लगाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि सनातन धर्म पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणियां करने को लेकर विवादों में घिरे तमिलनाडु के मंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ बिना इस अदालत की अनुमति नए आपराधिक मामले दर्ज नहीं किये जाये। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार तथा न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने श्री स्टालिन के खिलाफ विभिन्न राज्यों में शुरू की गई सभी आपराधिक कार्यवाहियों (टिप्पणियों को लेकर) को एक साथ करने की उनकी याचिका पर यह अंतरिम निर्देश पारित किया।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे का तंज, माँ गंगा को साफ करने की अपनी ही गारंटी भूल गए पीएम मोदी

-यूपी से बिहार तक गंगा में गंदा पानी बह रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार पर नमामि गंगे परियोजना को लेकर बड़ा हमला बोला। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि परियोजना के महत्वपूर्ण लक्ष्य अब तक पूरे नहीं हुए हैं और कुल बजट की आधी रकम भी अभी तक खर्च नहीं हुई है। यूपी से बिहार तक गंगा में गंदा पानी बह रहा है। कांग्रेस नेता खरगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने गंगा सफाई की अपनी गारंटी भुला दी है।

खरगे ने पोस्ट में लिखा, मोदी जी ने कहा था कि माँ गंगा ने उन्हें बुलाया है, लेकिन सच्चाई यह है कि उन्होंने गंगा सफाई की अपनी गारंटी ही भुला दी है! कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि यह योजना देरी और अक्षम कार्यप्रणाली का शिकार हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने संसद में उपलब्ध कराए आंकड़ों का हवाला देकर कहा कि 2014 में इस परियोजना की शुरुआत के 11 साल बाद भी निर्धारित 42500 करोड़ के बजट में से सिर्फ 19271 करोड़ ही खर्च हुए हैं, यानी अब भी 55 प्रतिशत धनराशि का उपयोग नहीं किया गया है। उन्होंने नवंबर 2024 के राज्यसभा में दिए गए जवाब का हवाला देकर बताया कि 38 प्रतिशत परियोजनाएं अधूरी पड़ी हैं। जबकि कुल बजट का 82 प्रतिशत हिस्सा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के निर्माण के लिए आवंटित था, उसमें से 39 प्रतिशत अब भी अधूरे हैं। जो पूरे हो चुके हैं, वे भी पूरी तरह से चालू नहीं हैं।

कांग्रेस नेता खरगे ने उत्तर प्रदेश की स्थिति पर विशेष हवाला देकर कहा कि 75 प्रतिशत नालों को एसटीपी से जोड़ने की योजना अब भी अधूरी है, जिसके कारण हर दिन 3,513.16 एमएलडी गंदा पानी सीधे गंगा में गिर रहा है। इसके अलावा, 97 प्रतिशत चालू एसटीपी मानकों के अनुरूप काम नहीं कर रहे हैं। बिहार में स्थिति ज्यादा चिंताजनक है, जहां 46 प्रतिशत एसटीपी पूरी तरह से बंद पड़े हैं, और जो चल रहे हैं, वे भी जल प्रदूषण नियंत्रण के निर्धारित मानकों को पूरा नहीं कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में 40 एसटीपी काम नहीं कर रहे हैं, जबकि 95 प्रतिशत एसटीपी एनजीटी के नियमों को पूरा नहीं करते।

खरगे ने फरवरी 2025 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट का हवाला देकर कहा कि गंगा जल में फीकल कॉलीफॉर्म बैक्टीरिया (मानव और पशुओं के मल में पाया जाने वाला बैक्टीरिया) का स्तर सुरक्षित सीमा (2,500 यूनिट/100 एमएल) से कई गुना अधिक पाया गया।

इतना ही नहीं खरगे ने कहा कि गंगा में ठोस कचरे की मात्रा बढ़ने से पानी की पारदर्शिता केवल 5 प्रतिशत बची है, जो प्रदूषण की गंभीर स्थिति को दर्शाता है। प्लास्टिक प्रदूषण में मई-जून 2024 के बीच 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने सरकार की गंगा ग्राम परियोजना पर भी सवाल उठाए। यह योजना गंगा किनारे बसे गांवों के विकास के लिए

लाई गई थी, लेकिन अब तक इसकी मुख्य उपलब्धि केवल शौचालय निर्माण ही है। गंगा किनारे 1,34,106 हेक्टेयर भूमि पर वनीकरण के लिए निर्धारित 2,294 करोड़ के बजट में से 85 प्रतिशत अब भी खर्च नहीं हुआ। एक आरटीआई रिपोर्ट के मुताबिक, 78 प्रतिशत वनीकरण कार्य अब तक पूरा नहीं हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

सर्किल रेट बढ़ाने की मांग, किसानों का धरना जारी

अलीगढ़ , एजेंसी। ग्राम उसरह में ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे के लिए जमीन का सर्किल रेट बढ़ाने की मांग को लेकर किसानों का धरना मंगलवार को भी जारी रहा। बीती रात्रि करीब 15-20 किसानों ने धरनास्थल मधुबन फैमिली ढाबा पर पर ही रात्रि विश्राम किया। धरना प्रदर्शन में क्षेत्र के लगभग 20 गांवों के करीब 150 किसान शामिल हुए। अध्यक्षता प्रहलाद सिंह और संचालन रामपाल सिंह (पूर्व प्रधान उसरह) ने किया। राष्ट्रीय किसान मजदूर यूनियन के अध्यक्ष रमेश अत्री व पूर्व सांसद बिजेंद्र सिंह ने कहा कि किसानों को उनका हक मिलना चाहिए। खैर विधानसभा के किसानों को नोएडा के बराबर सर्किल रेट मिलना चाहिए। जब तक उन्हें उनका हक नहीं मिल जाता। धरना जारी रहेगा। नेताओं ने किसानों को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।

इधर, लखनऊ गए किसानों के नौ सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश सरकार में मंत्री चौ. लक्ष्मी नारायण, बरौली विधायक ठा जयवीर सिंह व खैर विधायक सुरेंद्र दिलेर से मिल कर सीएम योगी से मिलाने की बात कही। इस पर नेताओं ने भरोसा दिलाया कि मंगलवार को विधानसभा सत्र चलने के कारण देर रात्रि तक उनकी मुलाकात करा दी जाएगी। प्रतिनिधि मंडल में गौरीशंकर शर्मा खंडेहा, कुशलपाल, रणधीर प्रधान बाजौता, सोनवीर सिंह बुलाकीपुर, ओमपाल सिंह उसरह, चौ. सुधीरपाल सिंह ग्राम प्रधान उसरह शामिल हैं।

रोडवेज बस में बैठाने से इन्कार पर कंडक्टर को पीटा

अलीगढ़ , एजेंसी। रोडवेज बस को बस स्टैंड पर होकर एटा ले जाने से मना करने से आक्रोशित युवकों ने मंगलवार को बस के परिचालक की पिटाई कर दी, जिससे वहां हंगामा ख ड़ा हो गया। चालक बस को लेकर कोतवाली पर आ गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़ लिया।

एटा की ओर जाने वाली रोडवेज बस में मंगलवार की दोपहर को अलीगढ़ से सिकंदराराऊ के लिए दो युवक बैठे। जैसे ही बस पंत चौराहे पर पहुंची, तभी कंडक्टर ने सिकंदराराऊ की सवारियां पंत चौराहे पर उतरने के लिए कहा। बस में मौजूद दो युवकों ने बस को बस स्टैंड पर होकर एटा ले जाने की बात कही, लेकिन कंडक्टर ने पंत चौराहे से बाईपास होकर एटा जाने की बात कही।

इसे लेकर युवकों का कंडक्टर से विवाद हो गया और मारपीट शुरू हो गई। सीओ श्यामवीर सिंह का कहना है कि रोडवेज बस के परिचालक ने मारपीट की तहरीर दी है। इसकी जांच की जा रही है।

गर्म चिमटे से गाल जलाए, बाल काटे और पीटा: ससुरालियों का आतंक, रिपोर्ट दर्ज

अलीगढ़ , एजेंसी। सिकंदरपुर निवासी महिला को उसकी ससुराल बंजारे का नगला थाना जेवर जिला गौतमबुद्धनगर में ससुराल वालों ने बुरी तरह से पीटा। उसके बाल काट दिए और गर्म चिमटे से गाल जलाए। इतना ही नहीं बुलाने पर पहुंची उसकी मां को भी पीटा। आभूषण और मोबाइल छीनने के बाद सादे कागज में हस्ताक्षर कराकर मां-बेटी को घर से निकाल दिया। मामले में जवां थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई है। जवां सिकंदरपुर निवासी ऊषा देवी पत्नी बनवारी सिंह के अनुसार उन्होंने अपनी बेटी डॉली की शादी करीब नौ साल पहले सतीश पुत्र टीकम सिंह निवासी बादलपुर के पास बंजारे का नगला थाना जेवर, जिला गौतमबुद्धनगर के साथ हुई थी। आरोप लगाया कि तीन मार्च को दोपहर बाद करीब तीन दामाद ने बेटी से फोन कराया कि यहां से ले जाओ। जब वह बेटी की ससुराल पहुंची तो उनकी बेटी को ससुराल वालों ने एक कमरे में बंद कर बाहर से कुंडी लगा रखी थी। वहां पहुंचते ही उनके साथ भी गाली-गलौज करते हुए बेटी की ननद ने मोबाइल छीन लिया और बेटी के साथ कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद ससुराल वालों ने डॉली के आभूषण उतरवा लिए। उसके बाल काट दिए। ननद दीपा और रेनू सहित दामाद सतीश ने गर्म चिमटे से डॉली के गाल जलाए। इसके बाद गाड़ी में बिठाकर दोनों को भेज दिया। आरोप लगाया कि पहले भी तीन-चार बार बेटी के साथ उसकी ससुराल वाले ऐसी ही घटना कर चुके हैं।

गंगा किनारे बनाया जा सकता ड्रोन टेस्टिंग कॉरिडोर

कानपुर, एजेंसी। कानपुर महानगर में आईटी हब विकसित करने के संबंध में मंगलवार को आईआईटी में विशेषज्ञों की पहली बैठक आयोजित की गई। इसमें आईटी हब के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने पर चर्चा की गई। डीपीआर आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञ तैयार कर रहे हैं।

वहीं, गंगा किनारे ड्रोन टेस्टिंग कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव तैयार करने की बात भी कही गई। बैठक में एयरोस्पेस विभाग के प्रोफेसर व ड्रोन यूपी डिपार्टमेंट ऑफ आईटी इलेक्ट्रानिक्स के सीईओ प्रोफेसर अभिषेक ने महानगर में ड्रोन टेस्टिंग के लिए कॉरिडोर बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि कॉरिडोर के लिए पांच किलोमीटर खुली जगह होनी चाहिए। इस पर भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने सुझाव दिया कि गंगा नदी के किनारे-किनारे ड्रोन टेस्टिंग कॉरिडोर बनाया जा सकता है।

डीपीआर में सम्मिलित करने पर भी सहमति बनी

बैठक में तय किया गया कि 20-25 किमी का ड्रोन टेस्टिंग कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। सुझाव दिया गया कि इस संबंध में नीति बनाकर प्रदेश सरकार के सहयोग से उन आईटी कंपनियों को वापस बुलाया जाए, जो पहले कानपुर में थीं पर मूलभूत सुविधाओं के अभाव होने के चलते बंगलूरू और दिल्ली जैसी जगहों पर चली गई हैं। इस सुझाव को डीपीआर में सम्मिलित करने पर भी सहमति बनी।

आईटी हब के लिए जमीन और बजट पर चर्चा

बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रदेश सरकार के सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सुनील शर्मा के साथ होली के बाद एक उच्च स्तरीय बैठक आईआईटी में आयोजित की जाएगी। इसमें आईटी हब के लिए जमीन और बजट पर चर्चा की जाएगी। इस दौरान आईआईटी कानपुर के प्रो. अंकुश शर्मा ने संस्थान के सभी फैकल्टी सदस्यों की ओर से अभी तक तैयार की गई डीपीआर के विभिन्न बिंदुओं का एक पत्र बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को सौंपा। सभी ने फैकल्टी के प्रयास की सराहना की।

आईआईटी सस्ते दामों पर उपलब्ध कराएगा ड्रोन

ड्रोन यूपी डिपार्टमेंट ऑफ आईटी इलेक्ट्रानिक्स के तहत आईआईटी परिसर में स्थापित टेक्नोपार्क में ड्रोन बनाने और युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए कार्य चल रहा है। इसे जल्द और बेहतर किया जाएगा। प्राइवेट कंपनियों की ओर से अभी तक ड्रोन महंगे दामों पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उनके उपकरण विदेशों से मंगाकर असेंबल करने पड़ते हैं, इससे इनके दाम बढ़ जाते हैं। आईटी हब बनने के बाद उपकरणों को यहीं पर बनाया जा सकेगा, ऐसे में ड्रोन भी सस्ते दाम पर उपलब्ध हो सकेंगे। सबसे पहले चिकित्सा और कृषि क्षेत्र के लिए सस्ते ड्रोन विकसित किए जाएंगे।

ड्रोन के प्रशिक्षण के लिए हाईस्कूल पास होना जरूरी

आईटी हब में ड्रोन और रोबोट निर्माण के प्रशिक्षण के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। इसमें युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें बेहतर रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जाएगा। प्रोफेसर अभिषेक ने बताया कि ड्रोन के प्रशिक्षण के लिए योग्यता हाईस्कूल रखी गई है ताकि प्रशिक्षणार्थी शुरुआत से ही ठीक से सीख और समझ सकें। उन्होंने कहा कि ड्रोन के संचालन के अलावा रखरखाव और खराबी को दूर करने के संबंध में भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सोलर पैनल की तरह ड्रोन का प्रयोग भी हो अनिवार्य

प्रोफेसर अभिषेक ने बताया कि आईटी हब स्थापित करने के लिए सबसे पहले कंपनियों को आगे आना होगा। साथ ही सोलर पैनल की तरह सरकार की ओर से जितने भी सरकारी संस्थान हैं, उनमें ड्रोन की उपयोगिता के हिसाब से प्रयोग को अनिवार्य भी करना होगा।

सीएम योगी 2500 युवा उद्यमियों को सौंपेंगे 125 करोड़ के ऋण का चेक

गोरखपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार शाम गोरखपुर आएंगे। वे बृहस्पतिवार को गोरखपुर-बस्ती मंडल के 2500 युवाओं को ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराने के साथ स्वावलंबन और रोजगार प्रदाता बनने का मंत्र देंगे। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में सीएम युवा योजना के तहत यह कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें 125 करोड़ रुपये का ब्याजमुक्त ऋण वितरित किया जाएगा।

कुछ लाभार्थियों को मुख्यमंत्री अपने हाथ से ऋण धनराशि का चेक सौंपेंगे। इसके अलावा दोनों मंडल के 2100 ओडीओपी लाभार्थियों को उनके उद्यम/हुनर कौशल को बढ़ाने के लिए टूलकिट का वितरण भी किया जाएगा। सीएम युवा योजना (मुख्यमंत्री युवा उद्यमिता विकास योजना) को 24 जनवरी को लांच किया गया था। इसके अंतर्गत 18 से 40 वर्ष तक की आयु वाले युवाओं को उद्यम स्थापना के लिए प्रथम चरण में 5 लाख रुपये तक ब्याजमुक्त ऋण चार वर्षों के लिए देने का प्रावधान है। साथ ही ऋण धनराशि पर 10 प्रतिशत अनुदान प्रदान किया जाएगा। संयुक्त आयुक्त उद्योग एचपी सिंह के मुताबिक, सीएम युवा योजना के तहत गोरखपुर मंडल में 1700 लाभार्थियों का चयन किया गया है। इन्हें उद्यम लगाने को 85 करोड़ रुपये की ऋण धनराशि वितरित की जाएगी। बस्ती मंडल में इस योजना के अंतर्गत 800 चयनित लाभार्थियों को 40 करोड़ रुपये की ऋण धनराशि दी जाएगी।

ओडीओपी के लिए बंटेगा टूल किट: इसी कार्यक्रम के दौरान एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के अंतर्गत 10 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त शिल्पकारों और उद्यमियों को टूलकिट का भी वितरण किया जाएगा। टूलकिट वितरण के लिए प्रशिक्षण प्राप्त गोरखपुर मंडल के 1300 और बस्ती मंडल के 800 ओडीओपी शिल्पकारों/उद्यमियों का चयन किया गया है। टूलकिट में टेराकोटा के लाभार्थियों को इलेक्ट्रिक चाक, फावड़ा, थापा, लहछुर, तार कटिंग उपकरण और हथौड़ी, रेडीमेड गारमेंट के लाभार्थियों को इलेक्ट्रिक सिलाई मशीन, कैंची, इंचटेप, ऑयरन प्रेस, प्लास, आयल, सजावटी सामान के लाभार्थियों को फुट ऑपरेटेड सिलाई-कढ़ाई मशीन, कैंची, धागे का गोला बनाने की मशीन, डायमंड कटिंग टूलकिट, वुडेन फर्नीचर के लाभार्थियों को राऊटर, इलेक्ट्रॉनिक प्लेनर, जिक्सा मशीन, ड्रिल मशीन, कटर मशीन, हथौड़ा, वसुला, शिकंजा और केला व केले के तने से प्रसंस्कृत उत्पाद बनाने वाले लाभार्थियों को मिक्सर मशीन, जूसर मशीन व ओवन दिया जाएगा।

भाजपा के दो नेताओं के बीच सियासत गरमाई, पूर्व राज्यमंत्री सतीश ने पूर्व सांसद पाठक पर लगाया हमले का आरोप

कन्नौज , एजेंसी। कन्नौज जिले में पूर्व राज्यमंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सतीश पाल पर हमले के बाद इत्रनगरी में एक बार फिर से सियासी दरार आ गई है और आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। लोकसभा चुनाव के दौरान भी सतीश पाल व सुब्रत पाठक के ऑडियो वायरल हुए थे। अब एक-दूसरे पर खुलेआम आरोप लगाए जा रहे हैं।

हालांकि पार्टी या संगठन की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सतीश पाल ने दावा किया कि वह पार्टी हाईकमान से मिलकर ऐसे लोगों को बाहर कराएंगे, जो सत्ता में रहकर पार्टी की छवि को धूमिल कर रहे हैं और उनके ऊपर साजिशन हमले कर रहे हैं। वह सरकार की नीतियों के प्रचार-प्रसार में जुटे हैं।

पूर्व सांसद के इशारे पर हो रहे हमले: सतीश

पूर्व राज्यमंत्री सतीश पाल ने मंगलवार को एक वीडियो संदेश जारी किया, जिसमें बताया कि पूर्व सांसद सुब्रत पाठक के इशारे पर उन पर दो बार हमला हो चुका है। पहला हमला 20 फरवरी 2024 को औरैया जिले में हुआ था, तो दूसरा हमला छिबरामऊ के तिलोकापुर में दो मार्च 2025 को किया गया। इसमें दोनों स्थानों पर पूर्व सांसद के ही समर्थक थे। वह मंच पर नशामुक्ति के खिलाफ बोल रहे थे, कोई अनर्गल टिप्पणी नहीं की, फिर भी उनके ऊपर हमला किया गया।

पार्टी की छवि धूमिल करने वालों को बाहर कराएंगे: वह पाल, बघेल, गड़रिया चरवाहा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और संगठन के एक कार्यकर्ता के बुलावे पर गए थे। लोकप्रियता और जनसमर्थन से घबराकर उनके ऊपर सुनियोजित तरीके से हमला किया गया। सरकारी गनर की कार्बाइन व प्राइवेट गनर से लाइसेंसी राइफल छीनने का प्रयास किया गया। पुलिस उनका सहयोग कर रही है। वह पार्टी हाईकमान को सभी साक्ष्य दिखाकर पार्टी की छवि धूमिल करने वालों को

बाहर कराएंगे।

सतीश की बिरादरी के लोग ही उनके खिलाफ: सुब्रत: पूर्व सांसद सुब्रत पाठक ने बताया कि उन्हें सतीश पाल से कोई लेनादेना ही नहीं है। उनकी ही बिरादरी के लोग उनके खिलाफ हैं, जबकि वह एक जातीय संगठन बनाकर गोलबंदी कर रहे हैं। औरैया में भी उनकी ही पाल बिरादरी के लोगों ने हमला किया था, यही तिलोकापुर गांव में हुआ। इसमें उनका व छिबरामऊ ब्लॉक प्रमुख पति बादाम सिंह पाल का नाम लोकप्रियता हासिल करने के लिए घसीट रहे हैं। पूर्व राज्यमंत्री को आत्ममंथन करना चाहिए कि आखिरकार उनके ही समाज के लोग उनसे खिलाफ क्यों हो रहे हैं। फिलहाल इस प्रकरण से उनका कोई वास्ता नहीं है।

सतीश पाल ने की परिवार व समाज पर अशोभनीय टिप्पणी: बादाम पाल: शनिवार देर शाम ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि बादाम पाल ने कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता के दौरान कहा कि उनका इस प्रकरण से कोई लेना देना नहीं है। सतीश पाल ने व्यास गद्दी से संबोधन के दौरान उनके परिवार व समाज पर अशोभनीय टिप्पणी की थी। इससे नाराज गांव के लोगों से बहस हुई थी। मारपीट या धमकाने जैसे कोई घटना नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि सतीश पाल गांव के एक सपा नेता आशीष पाल के बुलावे पर श्रीमद्भागवत कथा पंडाल पहुंचे थे।

समाज के लिए अपशब्दों का प्रयोग किया: अपने संबोधन के दौरान सांस्कृतिक मंच से उन्होंने राजनीतिक बातें की। सतीश पाल ने यह तक कहा कि उन्होंने बिधूना में सभी नेता खत्म कर दिए। वर्ष 2024 में कन्नौज ढहा दिया। वर्ष 2027 में छिबरामऊ का किला भी ढहा देंगे। साथ ही मंच पर समाज के लिए अपशब्दों का प्रयोग किया। सतीश पाल के बेटे ने जो वीडियो ने बनाया है, उसको बिना एडिट किए सार्वजनिक कर दें, तो सभी के सामने सच्चाई आ जाएगी। वार्ता के दौरान ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिध राहुल पाल, पूर्वी सहकारी समिति के अध्यक्ष मुनीश मिश्रा मौजूद रहे।

भतीजे आकाश के बाद भाई आनंद कुमार पर कार्रवाई, मायावती ने राष्ट्रीय समन्वयक पद से हटाया

लखनऊ , एजेंसी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी से निकालने के बाद अब उनके पिता आनंद कुमार को भी नेशनल कोआर्डिनेटर पद से हटा दिया है। उनकी जगह रणधीर बेनीवाल को नेशनल कोआर्डिनेटर बनाया गया है। मायावती ने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि काफी लम्बे समय से निस्वार्थ सेवा व समर्पण के साथ कार्यरत बीएसपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनन्द कुमार, जिन्हें अभी हाल ही में नेशनल कोआर्डिनेटर भी बनाया गया था, उन्होंने पार्टी व मूवमेन्ट के हित के मद्देनजर एक पद पर रहकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की है, जिसका स्वागत है। मायावती ने लिखा कि ऐसे में आनंद कुमार पहले की ही तरह बीएसपी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर रहते हुए सीधे मेरे दिशा-निर्देशन में अपनी जिम्मेदारियों को निभाते रहेंगे। अब उनकी जगह यूपी के जिला सहारनपुर के रहने वाले रणधीर बेनीवाल को नेशनल कोआर्डिनेटर की नई जिम्मेदारी दी गई है। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने लिखा कि इस प्रकार, अब रामजी गौतम, राज्यसभा सांसद रणधीर बेनीवाल ये दोनों बीएसपी नेशनल कोआर्डिनेटर (राष्ट्रीय समन्वयक) के रूप में सीधे तौर पर मेरे दिशा-निर्देशन में देश के विभिन्न राज्यों की जिम्मेदारियों को संभालेंगे। पार्टी को उम्मीद है कि ये लोग पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम करेंगे। मायावती ने सोमवार को अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से निकाल दिया था। इसके पहले रविवार को उन्होंने आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटाया था। आकाश ने सोमवार को मायावती के फैसले पर प्रतिक्रिया दी थी।

सपा के सत्ता में आते ही 10 दिन में खत्म हो गए थे वासुदेव यादव के सारे केस, आधी रात तक खोला गया था सचिवालय

प्रयागराज , एजेंसी। सपा के पूर्व एमएलसी और यूपी बोर्ड के सचिव व माध्यमिक शिक्षा निदेशक रहे वासुदेव यादव को 2012 में सपा की सरकार आते ही संजीवनी मिली थी। 10 दिनों में उनके खिलाफ चल रहे अनुशासनात्मक कार्रवाई और घोटालों के मामले खत्म कर दिए गए थे। इसके लिए सचिवालय को आधी रात तक खोला गया था।

वासुदेव यादव के पास आय से अधिक संपत्ति मिलने के मामले के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं। यूपी बोर्ड के सूत्रों का कहना है कि सपा की सरकार आने से पहले वासुदेव यादव के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के दर्जनों मामले लंबित थे।

पांच मार्च 2012 को जब विधानसभा चुनाव का परिणाम घोषित हुआ और सपा बहुमत के साथ सत्ता में आई तो उनकी किस्मत अचानक पलट गई। सूत्र बताते हैं कि पांच से 15 मार्च तक देर रात सचिवालय खोलकर वासुदेव यादव के खिलाफ चल रहे मामलों को खत्म कराया गया।

उनके खिलाफ लोकायुक्त की जांच भी चल रही थी, जिसे दबा दिया गया। अचानक डीपीसी हुई और आनन-फानन उनका प्रमोशन करते हुए बेसिक व माध्यमिक शिक्षा के निदेशक का पद सौंप दिया गया। वर्ष 2012 से 2014 तक निदेशक रहने दौरान ही उन पर घोटाले के आरोप लगे। ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर वासुदेव यादव का नाम हमेशा विवादों में रहा। अगस्त 2003 से मई 2007 तक सपा की सत्ता के दौरान भी वह दो बार यूपी बोर्ड के सचिव रहे। बोर्ड सूत्रों का कहना है कि इस दौरान उन्होंने ऊंची दरों पर प्रश्नपत्रों की छपाई कराई। डिबार किए गए सैकड़ों कॉलेजों को दोबारा परीक्षा केंद्र बनवा दिया। सपा सरकार में उनकी इतनी पहुंच थी कि सेवानिवृत्ति के बाद पार्टी ने उन्हें एमएलसी तक बनवा दिया।

पूर्व एमएलसी व माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के निदेशक वासुदेव यादव गिरफ्तार: विजिलेंस की टीम ने सपा के पूर्व एमएलसी और शिक्षा बोर्ड के निदेशक वासुदेव यादव को उनके जार्ज टाउन स्थित आवास से मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। आय से अधिक संपत्ति के मामले में वाराणसी की एमपी-एमएलए कोर्ट ने उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। पिछले करीब तीन साल से वासुदेव यादव कोर्ट में पेश नहीं हुए थे। सितंबर-2017 में सीएम के निर्देश पर वासुदेव यादव की संपत्तियों की जांच शुरू हुई थी। उन पर शिक्षा निदेशक रहते हुए अवैध तरीके से संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। निर्धारित अवधि के बीच हुई आय, खर्चों, खरीदी गई संपत्तियों व निवेशों के बारे में विजिलेंस ने गहनता से जांच पड़ताल की थी। इसमें सामने आया कि वासुदेव यादव की आय करीब 89.42 लाख रुपये थी, जबकि विजिलेंस की विवेचना में आय से 293 फीसदी अधिक संपत्ति जुटाने का साक्ष्य मिला था। यह रिपोर्ट शासन को सौंपी जाने के बाद भी वासुदेव ने अपना बयान दर्ज नहीं कराया था। शासन से अनुमति मिलने के बाद जनवरी-2021 में सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) प्रयागराज के थाने में वासुदेव यादव के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई थी।

अल्ट्रा ट्रैक सीमेंट फैक्टरी का गेट बनाने का विरोध

अलीगढ़ , एजेंसी। अल्ट्रा ट्रैक सीमेंट फैक्टरी साथा का गेट कासिमपुर देहात रोड पर बनवाने से ग्रामीण भड़क गए। हंगामा कर सड़क पर जाम लगा दिया। इसकी सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। ग्रामीणों का कहना है कि यह सार्वजनिक रास्ता है। इस रास्ते पर फैक्टरी का गेट नहीं बनाने देंगे। क्योंकि गेट बनने से पूरे रास्ते में सीमेंट की धूल उड़ेगी और वायु प्रदूषण हो जाएगा। गांव कासिमपुर देहात के ग्राम प्रधान शिवकुमार ने एसडीएम से भी इसकी शिकायत की। एसडीएम ने पहले भी लेखपाल को मौके पर भेजकर जमीन की पैमाइश कराई थी। इस जमीन को पंचायती जमीन बता कर कहा था कि फैक्टरी प्रबंधन इधर गेट न लगाए।

नोएडा में ईको-फ्रेंडली क्लासरूम का उद्घाटन, शुगरक्रीट तकनीक से होगा पर्यावरण संरक्षण, सांसद महेश शर्मा ने किया उद्घाटन

फ्यूचर लाइन टाईम्स

नोएडा, 06 मार्च 2025: पंचशील बालक इंटर कॉलेज, सेक्टर 91, नोएडा में शुगरक्रीट तकनीक से निर्मित ईको-फ्रेंडली क्लासरूम का उद्घाटन किया गया। इसका शुभारंभ गौतमबुद्ध नगर के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री महेश शर्मा ने किया।

शुगरक्रीट एक क्रांतिकारी निर्माण तकनीक है, जिसमें गन्ने के कचरे (बगास) और प्राकृतिक खनिज बाइंडर्स का उपयोग किया जाता है। यह पारंपरिक ईंटों की तुलना में हल्का, मजबूत और ऊर्जा कुशल है। इस तकनीक को भारत में केमिकल सिस्टम टेक्नोलॉजी ने यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट लंदन के सस्टेनेबिलिटी रिसर्च इंस्टीट्यूट के सहयोग से प्रस्तुत किया है।

कार्यक्रम के दौरान शुगरक्रीट के सह-निमार्ता और यूईएल के एसोसिएट एलेन चांडलर ने इस तकनीक की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह स्थायी और पर्यावरण-अनुकूल निर्माण का भविष्य है।

ईंटों की जगह शुगरक्रीट क्यों?

सांसद महेश शर्मा ने अपने संबोधन में कहा, "जब मैं पर्यावरण मंत्री था, तब भी टिकाऊ विकास के लिए कार्य करता था। आज इस पहल का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है, क्योंकि यह प्रदूषण कम करने की दिशा में एक ठोस कदम है।" उन्होंने बताया कि पारंपरिक ईंटें बनाने में जीवाश्म ईंधन जलाने से कार्बन उत्सर्जन और वायु प्रदूषण बढ़ता है, जिससे कृषि भूमि की उर्वरता भी प्रभावित होती है। वहीं, शुगरक्रीट लो-कार्बन, किफायती और ऊर्जा-संरक्षण में सहायक है।

भारत हर साल 400 मिलियन टन से अधिक गन्ने का उत्पादन करता है, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा बायोमास उत्पादक देश बन जाता है। शुगरक्रीट के माध्यम से इस अपशिष्ट का उपयोग कर एक हरित और सतत विकास की दिशा में कदम बढ़ाया जा सकता है।

समारोह में कई गणमान्य अतिथि रहे उपस्थित

इस अवसर पर केशव वर्मा (चेयरमैन, हाईपावर कमेटी), सुनील सिंघल (अध्यक्ष, केमिकल सिस्टम टेक्नोलॉजी), आर. मोर (प्रोजेक्ट डायरेक्टर, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन), विभूति झा (डिविजन हेड, बायोएनर्जी), मनोज अवस्थी, मनोज टंडन (प्रधानाचार्य), सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, रोहित कुमार और आर्किटेक्चर यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट लंदन के छात्र सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

शुगरक्रीट तकनीक पर्यावरण सुरक्षा, ऊर्जा संरक्षण और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यह पहल एक हरित भारत की ओर कदम बढ़ाने का संकेत देती है।

नोएडा उद्यानिकी डंपिंग ग्राउंड में नहीं बुझी आग, 4 से 5 दिन लग सकता है समय

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। सेक्टर-32ए प्राधिकरण के हॉर्टिकल्चर विभाग के बने डंपिंग ग्राउंड में लगी आग बुझने का नाम नहीं ले रही है। इस आग को बुझाने में अभी 4 से 5 दिन का वक्त और लग सकता है। पूरे इलाके को फायर कर्मचारी ने आइसोलेट जरूर कर लिया है। जिसके चलते अब यह आगे नहीं फैलेगी लेकिन इसे पूरी तरह बुझा पाने में फायर ब्रिगेड के लोग अभी कई दिन लगने की बात कर रहे हैं। इसके अलावा तेज हवा भी फायर कर्मचारी के कार्य में बाधा पहुंचा रही है।

फायर ऑफिसर प्रदीप चौबे ने बताया कि आग को काबू पाने में अभी 4 से 5 दिन का वक्त लग सकता है। अगर इस बीच कोई बड़ी आग कहीं और नहीं लगी तब ज्यादा से ज्यादा मैनपॉवर और गाड़ियों का इस्तेमाल कर इस आग पर काबू पाया जा सकता है। सूखी पत्तियां, पेड़ पौधों और खाद समेत अन्य तरह के वेस्ट का यह डंपिंग ग्राउंड करीब 30 से 40 फुट गहरा है और अंदर तक पानी न पहुंच पाने के कारण इसमें लगी आग को बुझा पानी में फायर ब्रिगेड के कर्मचारी असमर्थ हो रहे हैं।आग बुझाने में दमकल विभाग के 75 कर्मी 15 गाड़ियों की मदद ले रहे हैं। कई किलोमीटर तक धुआं उठता दिख रहा है। इससे पहले भी दो बार यहां आग लग चुकी है। हर बार आग बुझाने में छह से सात दिन का समय लगा था। सेक्टर-32ए में मैदान में उद्यान विभाग द्वारा औद्यानिक कचरा एकत्र किया जाता है। इसके लिए यहां गहरे गड्ढे बनाकर पत्तों को दबा दिया जाता है। बताया गया है कि कई दिनों से यहां पर गीला और सूखा कूड़ा भी फेंका जा रहा है।

ये सेक्टर हो रहे प्रभावित

इस डंपिंग ग्राउंड के आसपास के इलाकों की बात करें तो इसमें सेक्टर 30, सेक्टर 31, सेक्टर 32, सेक्टर 34, सेक्टर 35, मोरना गांव, सेक्टर 54, होशियापुर आदि इलाकों में रहने वाले हजारों लोगों को इस धुएं के कारण काफी ज्यादा सांस लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। तेज चल रही हवा इस धुएं को काफी दूर तक ले जा रही है।

लगातार पानी लेकर पहुंच रहे फायर टेंडर

मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि बुधवार दोपहर तीन बजे आग लगने की सूचना मिली। 15 गाड़ियों की मदद से 75 कर्मी आग बुझाने में जुटे हुए हैं। फायर टेंडर लगातार घटना स्थल पर पानी लेकर पहुंच रहे हैं। अनुमान है कि आग बुझाने में कम से कम चार से पांच दिन लग जाएंगे। आग कैसे लगी, इसकी जांच की जा रही है। साथ ही प्राधिकरण के अधिकारियों को पूर्व में भी पत्र लिखे जा चुके हैं।

लोगों को सांस लेने में हो रही परेशानी

आग लगने के बाद धुंए का गुब्बार आसमान में छा गया। घटना स्थल से लगातार धुंआ निकल रहा है। आसपास के सेक्टर में रहने वाले लोगों को सांस लेने में भारी परेशानी हो रही है। एलिवेटेड रोड समेत आसपास की सड़कों से गुजरने वाले वाहन चालकों को भी दिक्कत हो रही है। सबसे अधिक परेशानी सांस के रोगियों को हो रही है। लोग आग लगने के जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

गड्ढों को खोदकर बुझाई जा रही है आग

यहां बड़े-बड़े गड्ढों में कूड़ा भरा हुआ है। गड्ढों के अंदर तक पानी का छिड़काव किया जा रहा है। दरअसल, यहां गड्ढों में उद्यान का कचरा डाला जाता है। इसी कचरे में आग लगी है। आग को बुझाने के लिए नोएडा प्राधिकरण की ओर से जेसीबी लगाई गई हैं, जिनकी मदद से गड्ढों को खोदा जा रहा है और आग को बुझाया जा रहा है

एनकाउंटर के बाद पकड़ा गया इनामी बदमाश, दिल्ली की महिला की हत्या मामले में था वांटेड

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। नोएडा पुलिस ने दिल्ली की 40 साल की महिला की हत्या के आरोपी 20 साल के युवक को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि उस पर 25,000 रुपये का इनाम था और वह हत्या के बाद से ही फरार था। पुलिस ने कथित तौर पर आरोपी के कब्जे से एक देसी बंदूक, जिंदा कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। उसके खिलाफ इकोटेक वन थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। ग्रेटर नोएडा के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) अशोक कुमार ने बताया कि हत्या के मामले में वांछित एक आरोपी को बुधवार को इकोटेक वन थाना क्षेत्र के एएमआर मॉल के पास से गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान दिल्ली निवासी अंकुश के रूप में हुई है। पीटीआई से बात करते हुए थाना प्रभारी अरविंद वर्मा ने बताया कि आरोपी अंकुश दिल्ली के मंगोलपुरी निवासी 40 साल की महिला सुमन की हत्या के मामले में वांछित था।अधिकारी ने बताया कि उसने और उसके साथियों ने नवंबर 2024 में दिल्ली में उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। उसका शव इकोटेक वन थाना क्षेत्र की सीमा में फेंक दिया गया। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि विक्की नाम का व्यक्ति सुमन की बेटी एकता से शादी करना चाहता था। एकता का पति तिहाड़ जेल में बंद है और विक्की का भाई भी उसके साथ तिहाड़ में बंद है। एकता की विक्की से मुलाकात उसके पति के केस की सुनवाई के दौरान हुई और उन्होंने शादी करने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि सुमन ने इस शादी पर आपत्ति जताई तो विक्की ने कथित तौर पर उसकी हत्या की साजिश रची और अंकुश तथा एक नाबालिग को 50-50 हजार रुपये का लालच दिया।

ग्रेटर नोएडा में 20 एकड़ में बनेगी फिल्म यूनिवर्सिटी

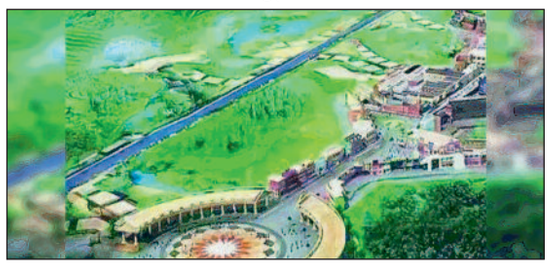

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। ग्रेटर नोएडा में विकसित की जा रही इंटरनेशनल फिल्म सिटी में ही 20 एकड़ में फिल्म यूनिवर्सिटी बनेगी। फिल्म यूनिवर्सिटी के निर्माण-विकास और उससे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर शोध जारी है और जल्द ही मास्टर प्लान व विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बनाकर इसके निर्माण की कार्रवाई को आगे बढ़ाया जाएगा। फिल्म यूनिवर्सिटी फिल्म समारोह के आयोजन का केंद्र भी होगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट इंटरनेशनल फिल्म सिटी का विकास ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-21 में किया जा रहा है। यह कई जोन व केटेगरी में विभाजित है। इसी के जोन-6 में फिल्म यूनिवर्सिटी के कैंपस का निर्माण व विकास प्रस्तावित है। यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) इस परियोजना को साकार करने में जुट गई है।

टैलेंट पूल की तरह काम करेगी फिल्म यूनिवर्सिटी

यह फिल्म यूनिवर्सिटी इंटरनेशनल फिल्म सिटी के लिए टैलेंट पूल की तरह काम करेगा। यूनिवर्सिटी में फिल्म निर्माण से संबंधित डायरेक्शन, स्क्रिप्ट राइटिंग, सिनेमैटोग्राफी, एडिटिंग समेत विभिन्न प्रकार के स्पेशलाइज्ड कोर्स संचालित होंगे। इन कोर्सेस के प्रशिक्षु विद्यार्थियों को फिल्म सिटी में जारी विभिन्न प्रोजेक्ट्स में काम मिल सकेगा। इससे उनकी प्रैक्टिकल लर्निंग में इजाफा होगा जबकि स्टूडेंट्स के प्लेसमेंट, वर्क व इंडस्ट्री एक्सपोजर की दिशा में भी फिल्म सिटी व फिल्म यूनिवर्सिटी सहायक सिद्ध होगी।

सांस्कृतिक गतिविधियों के केंद्र के तौर पर करेगी कार्य

मुख्यमंत्री के विजन अनुसार, फिल्म यूनिवर्सिटी के कैंपस को इस प्रकार विकसित किया जाएगा कि यहां भविष्य में फिल्म फेस्टिवल, सेमिनार, प्रदर्शनी समेत विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन होगा। फिल्म यूनिवर्सिटी का कैंपस भविष्य में ग्रेटर नोएडा तथा यीडा क्षेत्र की सांस्कृतिक गतिविधियों का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरेगा इस बात को ध्यान में रखकर विकास की योजना बनाई जा रही है।

लाइब्रेरी, कैफेटेरिया समेत विभिन्न प्रकार की सुविधाओं से होगा लैस

फिल्म यूनिवर्सिटीज में स्टेट ऑफ द आर्ट क्लासरूम, स्टूडियो, एडिटिंग सूट्स व वीआर लैब समेत विभिन्न प्रकार के सेटअप्स को विकसित किया जाएगा। यहां विभिन्न प्रोडक्शन हाउसेस के वर्कशॉप भी आयोजित होंगे तथा इंटर्नशिप समेत गेस्ट लेक्चर्स की सुविधा भी उपलब्ध होगी। रिसर्च लैब व लाइब्रेरी का निर्माण भी किया जाएगा। यह फिल्मों की स्क्रिप्ट्स, स्क्रीन प्ले समेत विभिन्न प्रकार के एकेडमिक लिटरेचर से युक्त होंगी। कैंपस में कैफेटेरिया, हेल्थ सेंटर, री-क्रिएशनल एरिया समेत छात्र-छात्राओं के लिए हॉस्टल तथा स्टाफ के लिए आवासीय परिसरों का निर्माण भी किया जाएगा

किसान एकता संघ के साथ में स्थापना दिवस समारोह में 8 मार्च को कलेक्ट्रेट घेरने का निर्णय

फ्यूचर लाइन टाईम्स-दनकौर : गुरुवार को किसान एकता संघ संगठन के कार्यकताओं व पदाधिकारियों ने क्षेत्रीय किसानों के साथ मिलकर कैम्प कार्यालय दनकौर पर एकत्रित होकर बड़ी धूमधाम से 7वाँ स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केसर ठेकेदार ने की और संचालन प्रदेश अध्यक्ष पंडित प्रमोद शर्मा ने किया।

इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान ने कहा कि आज संगठन के 7वें स्थापना दिवस के अवसर पर महाराष्ट्र,मध्य प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश,बिहार,उत्तराखंड,हरियाणा,आदि राज्यों से कार्यकर्ता पदाधिकारी एकत्रित हुए और अपने अपने राज्यों में चल रही किसानों की समस्याओं पर अपना वक्तव्य रखा ।

बताया कि वर्तमान केन्द्र सरकार किसानों की समस्याओं पर गंभीर नहीं है। पिछले 100 दिनों से पंजाब के किसान डलल्लेवाल दिल्ली के बार्डर पर भूख हड़ताल पर है। लेकिन केन्द्र सरकार बिल्कुल भी किसानों के मुद्दों को लेकर गंभीर नहीं दिख रही है।

गौतम बुद्ध नगर के किसानों की आबादी, बैकलीज, 64.7% अतिरिक्त प्रतिकर, 10% विकसित भूखण्ड, 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून को लागू करने आदि समस्याओं का समाधान प्राधिकरणों द्वारा नहीं किया जा रहा है। प्रशासन के बल पर गौतम बुद्ध नगर के आन्दोलन को कुचलने का काम सरकार कर रही है। किसानों ने एकजुट होकर किसान संघर्ष मोर्चा का गठन किया । समस्याओं के समाधान में देरी किए जाने की वजह से 8 मार्च को कलेक्ट्रेट का घेराव करने का काम करेंगे । इस मौके पर रूपेश वर्मा, सतीश कनारसी,प्रमोद शर्मा, वीरसिंह, प्रिंस शर्मा, वनीश प्रधान , विक्रम नागर, सुनीता ऐरने, तात्या मते, मालती मूले, जगदीश शर्मा, कृष्ण बैंसला, शौकत चैची, अखिलेश प्रधान, कमल यादव, मनीष नागर, मनीष नागर, अरुण खटाना, दुर्गेश शर्मा, रेखा चौधरी, प्रवीण चौधरी, उमर प्रधान, जीतन नागर, उम्मेद एडवोकेट, सुमित एडवोकेट, जयप्रकाश नागर, जितेन्द्र श्योरान, जग्गा अधाना, सोनिया विज, रॉबिन चौधरी, आदि हजारों कार्यकर्ता व क्षेत्रीय किसान मौजूद रहे।

कामायनी फाउंडेशन की सराहनीय पहल: गरीब परिवारों को मिल रही आर्थिक सहायता

फ्यूचर लाइन टाईम्स-ग्रेटर नोएडा। शिक्षा, स्वास्थ्य और शादी के लिए जरूरतमंदों की मदद कर रहा फाउंडेशन ग्रेटर नोएडा, संवाददाताः समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहा कामायनी फाउंडेशन लगातार गरीब और जरूरतमंद परिवारों की सहायता कर रहा है। संस्था ने हाल ही में ग्रेटर नोएडा के कासना क्षेत्र में रहने वाले एक गरीब परिवार की बेटी की शादी के लिए ₹1,51,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की। कामायनी फाउंडेशन के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण कुमार सेन ने बताया कि संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य और विवाह के लिए जरूरतमंदों को मदद देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, "हमारा उद्देश्य समाज के वंचित वर्ग को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है, जिससे वे सम्मानजनक जीवन जी सकें।" फाउंडेशन समय-समय पर खाद्य सामग्री, कंबल वितरण और अन्य सामाजिक कल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन भी करता रहता है। संस्था ने इस बात का संकल्प लिया है कि आगे भी इस तरह की सहायता जारी रखी जाएगी ताकि अधिक से अधिक गरीब परिवारों को राहत मिल सके। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट कविता नागर, सदस्य भारती उपाध्याय, कमल चावड़ा, अनिरुद्ध त्यागी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कामायनी फाउंडेशन की इस सराहनीय पहल की क्षेत्र में खूब प्रशंसा हो रही है, और यह समाज में दया, परोपकार और सहयोग की भावना को और मजबूत कर रहा है।

बहलोलपुर में झुग्गियों में लगी भीषण आग, कई झोपड़ियां जलकर राख

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र स्थित गांव बहलोलपुर के पास झुग्गी-झोपड़ियों में बुधवार रात को भीषण आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि देखते ही देखते कई झोपड़ियां जलकर राख हो गईं। आग लगने का कारण फिलहाल पता नहीं चल पाया है। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि झोपड़ियों में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन कई झुग्गियां जल गई हैं।यह घटना रात 9.40 बजे की बताई जा रही है। आग इतनी तेजी से फैली कि संभलने का मौका तक नहीं मिला। दमकलकर्मी ने बताया कि तेज हवा की वजह से आग बुझाने में दिक्कत हो रही है। हालांकि, दमकल की कई गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हुई हैं।

ग्रेटर नोएडा में किसानों का प्रदर्शन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। ग्रेटर नोएडा में करप्शन फ्री इंडिया संगठन के सैकड़ों कार्यकताओं ने विप्रो गोल चक्कर से प्राधिकरण मुख्य द्वार तक पैदल मार्च निकाला। संगठन ने प्राइवेट अस्पतालों और स्कूलों में स्थानीय किसानों के अधिकारों की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। संगठन के संस्थापक चौधरी प्रवीण भारतीय और मास्टर दिनेश नागर ने बताया कि प्राधिकरण ने शहर में अस्पतालों, स्कूलों और औद्योगिक इकाइयों को सस्ते दरों पर भूखंड आवंटित किए थे। इसके बदले में किसानों के बच्चों को शिक्षा में 25% छूट मिलनी थी। अस्पतालों में किसानों के लिए सुबह-शाम 2-2 घंटे मुफ्त ओपीडी और 10% गरीबों का निःशुल्क इलाज होना था। साथ ही औद्योगिक इकाइयों में 40% स्थानीय युवाओं को नौकरी मिलनी थी।लीज डीड में यह सभी शर्तें होने के बावजूद स्थानीय किसानों को उनके अधिकार नहीं मिल रहे हैं। विभिन्न गांवों के किसानों ने गुरुवार को संगठन के बैनर तले प्रदर्शन कर इन नियमों को तुरंत लागू करने की मांग की। प्राधिकरण के ओएसडी नवीन कुमार और एसडीएम जितेंद्र गौतम ने 21 दिन में सभी शर्तें लागू करने का आश्वासन दिया है। चौधरी प्रवीण भारतीय ने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

जेवर में किसान एकता संघ ने की बैठक

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर में किसान एकता संघ ने अपने स्थापना दिवस पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड और हरियाणा से सैकड़ों किसान शामिल हुए। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रही है। उन्होंने बताया कि पंजाब के किसान पिछले 100 दिनों से दिल्ली बॉर्डर पर भूख हड़ताल पर हैं।गौतम बुद्ध नगर के किसानों की कई मांगें लंबित हैं। इनमें आबादी, बैकलीज, 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा, 10 प्रतिशत विकसित भूखंड और 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून को लागू करना शामिल है। प्राधिकरण इन समस्याओं का समाधान नहीं कर रहा है।

दो लोगों से मोबाइल फोन छीने

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। शहर की विभिन्न जगह से बाइक सवार बदमाशों ने दो लोगों के मोबाइल फोन छीन लिए। पीड़ितों ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ थाना सेक्टर-39 और थाना सेक्टर-20 में मुकदमा दर्ज कराया है। थाना सेक्टर-20 में दिल्ली के न्यू अशोक नगर निवासी विक्रम वर्मा ने एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 25 फरवरी को सेक्टर-19 स्थित बारात घर में बहन की शादी हो रही थी। वह बारात घर के बाहर खड़े होकर एक व्यक्ति को बारात घर का पता अपने मोबाइल फोन के माध्यम से बता रहे थे, तभी बाइक पर सवार होकर आए बदमाशों ने उनका मोबाइल फोन छीन लिया। पीड़ित के अनुसार उनके मोबाइल फोन के कवर में ढाई हजार रुपये भी रखे थे। वहीं, थाना सेक्टर-39 में गांव छलेरा निवासी अक्षय कुमार ने एफआईआर दर्ज कराई है। उनका कहना है कि चार मार्च की शाम वह सेक्टर-44 के एफ जी ब्लॉक के पास से गुजर रहे थे, तभी बाइक पर सवार होकर आए दो बदमाशों ने उनका मोबाइल फोन छीन लिया। उन्होंने बदमाशों का पीछा किया तथा बाइक के पीछे बैठे एक बदमाश को पकड़ लिया। पीड़ित के अनुसार, बदमाश ने उन्हें धक्का दे दिया। जिस कारण वह सड़क पर गिर गए तथा उन्हें गंभीर चोट आई है। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

पुलिस मुठभेड़ के दौरान बदमाश गिरफ्तार

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। सेक्टर-24 पुलिस ने बुधवार रात मुठभेड़ के दौरान लुटेरे को गिरफ्तार किया। वह गोली लगने से घायल हो गया था। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में लूटपाट के करीब 34 मुकदमे दर्ज हैं।

एडीसीपी सुमित कुमार शुक्ला ने बताया कि पुलिस टीम बुधवार देर रात सेक्टर-54 के पास बैरियर लगाकर चेकिंग कर रही थी, तभी बाइक पर सवार होकर एक व्यक्ति आता दिखाई दिया। संदेह होने पर उसे रुकने का इशारा किया तो वह रुकने के बजाय वहां से भागने लगा। पुलिस ने पीछा करके उसे घेर लिया। खुद को पुलिस से घिरा हुआ देखकर बदमाश ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से गोली चलाई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश की टांग में गोली लग गई। पुलिस टीम ने घायल होने के बाद बदमाश को घेरकर पकड़ लिया। आरोपी की पहचान मेरठ के सिविल लाइन निवासी मक्कू उर्फ मारक उर्फ आहिल उर्फ निखिल उर्फ विवेक उर्फ गौरव उर्फ टुकटुक उर्फ नानू के रूप में हुई। आरोपी के पास से पुलिस ने चोरी की एक बाइक, तमंचा तथा विभिन्न लोगों से हुई लूट से संबंधित सामान बेचकर एकत्र की किए 7500 रुपये बरामद किए। बदमाश के ऊपर एनसीआर के विभिन्न थानों में लूटपाट, चोरी, अवैध हथियार रखने सहित 34 मुकदमे दर्ज हैं।

कार में लिफ्ट देकर लूटने वाले गिरोह का बदमाश मुठभेड़ में घायल

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। सेक्टर-42 में गुरुवार दोपहर पुलिस की लोगों को कार में लिफ्ट देकर लूटपाट करने वाले गिरोह के साथ मुठभेड़ हो गई। इस दौरान गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया, जबकि उसका साथी भाग गया। पुलिस की टीमें उसकी तलाश में जुटी हैं। एडीसीपी सुमित कुमार शुक्ला ने बताया कि पुलिस की टीम गुरुवार दोपहर सेक्टर-41 चौकी के सामने चेकिंग कर रही थी तभी सूचना मिली कि कुछ बदमाश सेक्टर-49 की तरफ से सेक्टर-37 की तरफ कार से आने वाले हैं। ये बदमाश लोगों को लिफ्ट देकर नशीला पदार्थ खिलाकर लूटने वाले गिरोह के हैं। इस पर पुलिस टीम ने आरक्यूब मोनाड मॉल के निकट बैरियर लगाकर चेकिंग शुरू कर दी। कुछ समय बाद सेक्टर-49 की तरफ से एक कार आती दिखाई दी। पुलिस टीम पे उसको रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक यूटर्न लेकर सेक्टर-45 की तरफ भागने लगा। पुलिस टीम के पीछा करने पर उसने कार को सेक्टर-42 के जंगल की तरफ मोड़ दिया। खुद को घिरता देखकर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की और कार छोड़कर झाड़ियों की तरफ पैदल भागने लगे। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। उसकी पहचान जिला एटा के गांव सभापुर निवासी शिव कुमार उर्फ चिंटू उर्फ शिवम कुमार के रूप में हुई। उसका साथी भाग गया। पकड़े गए बदमाश के कब्जे से अवैध तमंचा, एक कारतूस, कार, 15 हजार रुपये और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है। बरामद मोबाइल को 22 फरवरी को एक व्यक्ति को लिफ्ट देने के बाद नशीला पदार्थ खिलाकर लूटा गया था। इसके संबंध में थाने पर मुकदमा दर्ज है। जांच में पुलिस को पता चला कि बदमाश के खिलाफ जिला इटावा में हत्या करने, साक्ष्य मिटाने

नशे के खिलाफ महत्वाकांक्षी युद्ध कारगर साबित हो

ललित गर्ग

दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बिना कोई भी कार्रवाई स्थायी परिवर्तन लाने में विफल ही रहेगी। सीमा पर सख्त नियंत्रण करने, न्यायिक दक्षता और समाज को जागरूक करने की जरूरत है। केन्द्र एवं राज्य सरकार मिलकर नासूर बनती इस समस्या को जड़मूल से समाप्त करने के लिये कमर कसे। वैसे नशे को समाप्त करने के महत्वाकांक्षी युद्ध में आप सरकार विजयी होती है तो यह उसकी बड़ी सफलता होगी।

पंजाब में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स के धंधे ने व्यापक स्तर पर अपनी पहुंच बनाई है, जिसके दुष्परिणाम पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। तीन महीने के भीतर इस समस्या का खात्मा करने का सरकार दावा खोखला साबित न होकर सकारात्मक एवं प्रभावी परिणाम लाये, यह अपेक्षित है। इसी क्रम में विभिन्न सरकारी विभागों ने सैकड़ों छापे डाले, तीन सौ के करीब गिरफ्तारियां और बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई। निस्संदेह, यह कार्रवाई अभियान उग्र, आक्रामक व तेज है, लेकिन ऐसे अभियान चलाने के दावे विगत की भांति कोरा दिखावा न साबित हो, यह देखना जरूरी है। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र-गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। जरूरत है मान सरकार का नशा एवं नशे के कारोबार के खिलाफ जारी अभियान कामयाबी की नई इबारत लिखे। ताकि नशे के जाल में फंसे युवाओं एवं आमजन को बचाया जा सके।

ड्रग्स उपभोग के मामले में पंजाब की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बन गई है। पंजाब के 26 प्रतिशत युवा चरस, अफीम तथा कोकीन व हेरोइन जैसे सिंथेटिक ड्रग्स लेने में लिप्त हैं। इसमें शराब आदि का डाटा शामिल नहीं है। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में ह्यमादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षाह्ल पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया। पंजाब के बॉर्डर एरिया के गांवों व कस्बों में ही ड्रग्स की मार देखने को मिलती थी। सरकार नशे को खत्म करने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और देखने को मिलती है। युवाओं की रगों में नशे का जहर घोला जा रहा है। बड़े शहर नशे के हॉट-स्पॉट बनते जा रहे हैं। बठिंडा, पटियाला, होशियारपुर, अमृतसर और लुधियाना जैसे बड़े शहरों में हालात चिंताजनक हैं। इसका असर प्रदेश की मौजूदा पीढ़ी पर ही नहीं, बल्कि आने वाली पुश्तों पर भी पड़ने लगा है। इस अभियान की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या हम इस समस्या की जड़ पर प्रहार करने का

कोई प्रभावी उपक्रम कर रहे हैं? दरअसल, इस संकट के मूल में जहां राजनीतिक जटिलताएं, सीमा से जुड़ी समस्याएं, पाकिस्तान के षडयंत्र हैं, वहीं युवाओं के लिये रोजगार से जुड़े विकल्पों की भी कमी है।

पंजाब में नशे की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट भी चिन्ता व्यक्त करता रहा है, अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए उसने पंजाब सरकार को फटकार भी समय-समय पर लगाई है। अगर कोई पडोसी देश चाहे तो नशे के आतंक से देश को खत्म कर सकता है। अगर बॉर्डर क्षेत्र सुरक्षित नहीं है तो कैसे सीमाओं की सुरक्षा होगी? नशा माफिया के आगे बेबस क्यों है पंजाब सरकार?ह्ल सुप्रीम कोर्ट की चिन्ता पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए वाजिब है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पूर्व में ह्यड्रग्स-फ्री इंडियाह्ल अभियान चलाने की बात कहकर इस राष्ट्र की सबसे घातक बुराई की ओर जागृति का शंखनाद किया है। विशेषतः पंजाब के युवा नशे की अंधी गलियों में धंसते जा रहे हैं, वे अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर सहित अनेक जानलेवा बीमारियां लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। ड्रग्स के सेवन से महिलाएं बांझपन का शिकार हो रही हैं। पुरुषों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है। पंजाब में औसत हर रोज एक व्यक्ति की ड्रग्स की ओवरडोज के कारण मौत हो रही है। नशे के ग्लैमर की चकाचौंध ने जीवन के अस्तित्व पर चिन्ताजनक स्थितियां खड़ी कर दी है।

पाकिस्तान नशे के आतंक से अपने मनसूंबों को पूरा कर रहा है। चिकित्सकीय आधार पर देखें तो अफीम, हेरोइन, चरस, कोकीन, तथा स्मैक जैसे मादक पदार्थों से व्यक्ति वास्तव में अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है एवं पागल तथा सुप्तावस्था में हो जाता है। ये ऐसे उत्तेजना लाने वाले पदार्थ हैं, जिनकी लत के प्रभाव में व्यक्ति अपराध तक कर बैठता है। मामला सिर्फ स्वास्थ्य से नहीं अपितु अपराध से भी जुड़ा हुआ है। कहा भी गया है कि जीवन अनमोल है। नशे के सेवन से यह अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है या अपराध की अंधी गलियों में धंसता चला जाता है, पाकिस्तान युवाओं को निस्तेज कर-के एक नये तरीके के आतंकवाद को अंजाम दे रहा है। पंजाब सरकार की ताजा सख्त कार्रवाई का संदेश नशा माफिया को जाना जरूरी है कि इस काले कारोबार से जुड़े लोगों की दंडमुक्ति संभव नहीं है। इसके अलावा सीमा पार से चलाए जा रहे नशे के कारोबार के लिये पडोसी देश को भी कड़ा संदेश जाना चाहिए। नशे की तस्करी में तमाम आधुनिक साधनों का उपयोग किया जा रहा है। हालांकि, बीएसएफ ने पहल करते हुए एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाए हैं। जिसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे हैं। पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए सीमा सुरक्षा को फुलप्रूफ करने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिये। जिसमें उच्च तकनीक व विभिन्न एजेंसियों में बेहतर तालमेल की जरूरत है।

पंजाब पुलिस की नशे से जुड़े आतंकवदी तंत्र की जांच करने की सीमित क्षमता है, खासकर, इस समस्या का मुकाबला करने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकीय एवं वैज्ञानिक उपकरणों की उसके पास कमी है। पंजाब में राजनीति और ड्रग्स का चोली दामन का संबंध है, बड़ी राजनीतिज्ञ पार्टियों की नशा माफिया एवं नशीले पदार्थों के तस्करों के साथ काफी मिलीभगत है और यही वजह है कि पंजाब ह्यनशीले पदार्थों की राजनीतिह्ल के युग से गुजर रहा है। इसलिये भी यह समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। प्रदेश की मौजूदा सरकार ने भी सत्ता संभालते ही दो साल के अंदर ड्रग्स का खात्मा करने का एलान किया था, लेकिन जो हालात आज से दो साल पहले थे, वह जस के तस बने हुए हैं। इससे प्रतीत होता है कि सरकार एवं ड्रग्स माफिया का चोली दामन का संबंध है। जिससे समय के साथ प्रदेश में ड्रग्स का चलन बढ़ा है। प्रदेश में हेरोइन, अफीम, गांजा, चरस के अलावा अन्य नशों के साथ कैप्सूल और नशीली दवाइयों का चलन बढ़ने लगा है। अकेले एसटीएफ ने पंजाब भर में अलग-अलग जगहों पर छापामारी कर 2 करोड़ 68 लाख 77 हजार 596 कैप्सूल व नशीली दवाइयां पकड़ी हैं। कैप्सूल और नशीली दवाइयों का चलन ज्यादातर फरीदकोट, बठिंडा और पटियाला क्षेत्र में बढ़ा है।

पूर्व सरकारों ने जो दावे किए वे प्रभावहीन ही रहे हैं। वर्ष 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने चार हफ्ते में नशे के कारोबार को खत्म करने का वादा किया था। इससे पहले बादल के नेतृत्व वाली अकाली सरकार की भी नशे के खिलाफ शुरू की गई लड़ाई सिरे नहीं चढ़ सकी। दरअसल, नशे के कारोबार से जुड़े बड़े माफिया के खिलाफ कारगर कार्रवाई न हो सकने के कारण ये अभियान प्रभावी नहीं हो पाते। आखिर क्या वजह है कि भारी पुलिस व्यवस्था के बावजूद नशीली दवाओं की बड़ी खेप पंजाब में आसानी से प्रवेश कर जाती है। जो व्यवस्थागत संरचनात्मक मुद्दों की खामियों की ओर इशारा करती है। दरअसल, दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बिना कोई भी कार्रवाई स्थायी परिवर्तन लाने में विफल ही रहेगी। सीमा पर सख्त नियंत्रण करने, न्यायिक दक्षता और समाज को जागरूक करने की जरूरत है। केन्द्र एवं राज्य सरकार मिलकर नासूर बनती इस समस्या को जड़मूल से समाप्त करने के लिये कमर कसे। वैसे नशे को समाप्त करने के महत्वाकांक्षी युद्ध में आप सरकार विजयी होती है तो यह उसकी बड़ी सफलता होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

भाषाई अभद्रता

किसी को मियां-तिंया या पाकिस्तानी कहना गलत हो सकता है मगर यह धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने एक शख्स के खिलाफ मामला बंद करते हुए यह टिप्पणी की। मामले में शिकायतकर्ता उर्दू अनुवादक और कार्यवाहक बाबू द्वारा धारा 298 के तहत दर्ज कराए गए आपराधिक मामले में आरोपी को आरोप मुक्त कर दिया। शिकायतकर्ता सूचना सौंपने के लिए आरोपी के निवास गया था। दस्तावेज को स्वीकारने से मना करने के दौरान उसने शिकायतकर्ता के साथ गाली-गलौच की और धार्मिक अपशब्द भी कहे। परिणामस्वरूप 298 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने) के साथ ही 504 (शांति भंग करने के इरादे से अपमान करना), 506 (आपराधिक धमकी), 353 (लोक सेवक को कर्त्तव्य निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल) और 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी जिस पर मजिस्ट्रेट ने संज्ञान लिया और आरोपी को तलब किया। हालांकि विभिन्न धाराओं के तहत पर्याप्त साक्ष्य न होने के चलते उसे रिहा कर दिया गया था। इन बयानों को अदालत द्वारा अशोभनीय बताते हुए धार्मिक भावनाओं को न के बराबर आहत करने वाला बताया। लोक सेवक के तौर पर अपने कर्त्तव्यों का शिकायतकर्ता निर्वहन कर रहा था। लाजिमी में दोनों में गरम बहस के दरम्यान तेज आवाज में गाली-गलौच हुई हो। परंतु कई बार देखने में आता है कि अहंकार के चलते सरकारी नौकर जानबूझकर शिकायतें करते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि मजिस्ट्रेट को अपने स्तर पर ही दोनों के बीच सुलह कराने के प्रयास करने चाहिए थे। जैसा कि सबसे बड़ी अदालत ने माना, मियां-शियां कहना धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला नहीं हो सकता। मसलन, आम बोल-चाल में पंड़ित-शंड़ित कहा जाना बुरा नहीं माना जाता। कह सकते हैं कि किसी दूसरे समुदाय के शख्स को पाकिस्तानी कहने से उसे अड़चन हो सकती है क्योंकि उस मुल्क के साथ हमारे रिश्ते तल्ख हैं। झगड़ों के दरम्यान अमेरिकी या चीनी या किसी अन्य देशवासी के नाम से पुकार कर नीचा नहीं दिखाया जा सकता। परंतु अपना गुस्सा या आक्रोश बगैर गालियों के भी दशार्या जा सकता है। असंतुष्ट होने पर बाबू के खिलाफ शिकायत दर्ज कराना भी मसले का हल हो सकता था। आम बोलचाल में अपने समाज में गालियां शामिल होने के बावजूद दफ्तरी शिष्टाचार निभाने के लिए दोनों पक्ष बराबर जिम्मेदार माने जाने चाहिए।

सूक्ति

सच्चाई से जिसका मन भरा है, वह विद्वान न होने पर भी बहुत देश सेवा कर सकता है। – पं. मोतीलाल नेहरू
जो भारी कोलाहल में भी संगीत को सुन सकता है, वह महान उपलब्धि को प्राप्त करता है। – डॉ. विक्रम साराभाई

चिंतन-मनन

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं।

राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है। इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

नारी और विज्ञानः अभिनवता की रोशनी

लेखिका डॉ. रेशा, जीवविज्ञान विभाग, श्री द्रोणाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय दनकौर

ग्रेटर नोएडा। हर साल 8 मार्च को हम अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाते हैं, लेकिन क्या वास्तव में एक दिन महिलाओं के योगदान और संघर्षों को सराहने के लिए काफी है? शायद नहीं। महिलाएँ न सिर्फ परिवार और समाज की रीढ़ होती हैं, बल्कि अपने मेहनत, लगन और साहस से दुनिया को एक बेहतर जगह बनाती हैं। नारीः प्रेम, समर्पण और संघर्ष का प्रतीकः एक बेटी के रूप में, वह अपने माता-पिता की मुस्कान होती है। एक बहन के रूप में, वह अपने भाई की हिम्मत होती है। एक पत्नी के रूप में, वह अपने जीवनसाथी का संबल होती है। और एक माँ के रूप में, वह पूरे संसार का आधार बनती है। लेकिन यह भी सच है कि एक महिला को हर कदम पर संघर्ष करना पड़ता है। कभी उसे समाज की पुरानी सोच से लड़ना पड़ता है, तो कभी अपने ही सपनों को पूरा करने के लिए हजारों बलिदान देने पड़ते हैं। फिर भी वह हर परिस्थिति में अपनी राह बनाती है, बिना किसी शिकायत के। हर महिला की अपनी एक कहानी होती है किसी ने गरीबी से लड़कर शिक्षा हासिल की, किसी ने सामाजिक बंधनों को तोड़कर अपने सपनों को उड़ान दी, तो किसी ने अकेले अपने बच्चों को पालकर उन्हें सफल बनाया। हर महिला की अपनी एक संघर्ष यात्रा होती है, जिसे जानकर दिल भर आता है। महिला दिवस सिर्फ एक दिन नहीं, एक सोच है महिला दिवस सिर्फ एक दिन की औपचारिकता नहीं होनी चाहिए। यह एक सोच होनी चाहिए कि हर दिन महिलाओं का सम्मान किया जाए, उन्हें बराबरी का हक दिया जाए, और उनकी उपलब्धियों को सराहा जाए। आज के दौर में महिलाएँ हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, फिर चाहे वह तकनीक (Technology) हो या जूलॉजी (Zoology)। जहाँ पहले इन क्षेत्रों को पुरुष-प्रधान माना जाता था, वहीं अब महिलाएँ अपनी काबिलियत से नई ऊँचाइयाँ छू रही हैं। आज नई ऊँचाइयों की ओर तकनीक का क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है, और महिलाएँ इसमें महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), मशीन लर्निंग, साइबर सुरक्षा, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, और रोबोटिक्स जैसी फील्ड में महिलाएँ अपनी पहचान बना रही हैं।

हमारे पास ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं जैसे - कल्पना चावला भारत की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री, जिन्होंने विज्ञान और अंतरिक्ष अन्वेषण में अपनी छाप छोड़ी। राधिका कुलकर्णीः एनालिटिक्स और ऑपरेशंस रिसर्च के क्षेत्र में प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक। तनुजा घोषः भारत की प्रमुख डेटा साइंटिस्ट, जिन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में काम किया। महिलाओं को इस क्षेत्र में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जैसे लैंगिक भेदभाव, करियर में स्थिरता की कमी, और कार्य-जीवन संतुलन। लेकिन

इन सभी बाधाओं को पार कर वे सफलता की नई कहानियाँ लिख रही हैं। प्रकृति को समझने की नई परिभाषा, जूलॉजी (पशु विज्ञान) एक ऐसा क्षेत्र है, जहाँ महिलाएँ जीवों, पर्यावरण और जैव विविधता को समझने के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। यह क्षेत्र न केवल अनुसंधान और प्रयोगशाला कार्यों से जुड़ा है, बल्कि वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन, इकोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी जैसी शाखाओं से भी संबंध रखता है। जूलॉजी में महिलाओं की उपलब्धियों पर नजर डाले तो डॉ. सलिमा इकरामः विश्व प्रसिद्ध जूलॉजिस्ट और पुरातत्वविद्, जिन्होंने जीवाश्म विज्ञान और प्राचीन जीवों पर काम किया। डॉ. सरला दासः भारत की पहली महिला वेटरनरी डॉक्टर, जिन्होंने पशु चिकित्सा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। डॉ. प्रिया अय्यरः जूलॉजी और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अग्रणी भारतीय वैज्ञानिक। महिलाएँ अब वाइल्डलाइफ संरक्षण, जैव तकनीक, जलीय जीव विज्ञान (Marine Biology) और अन्य क्षेत्रों में अपना योगदान दे रही हैं। सरकार और गैर-सरकारी संस्थाएँ भी महिलाओं को विज्ञान और अनुसंधान में आगे बढ़ाने के लिए कई योजनाएँ चला रही हैं। तकनीक और जूलॉजी, दोनों ही क्षेत्रों में महिलाएँ अपनी मेहनत, लगन और बुद्धिमत्ता से एक नया मुकाम हासिल कर रही हैं। हालाँकि चुनौतियाँ हैं, लेकिन वे हर बाधा को पार कर सफलता की कहानियाँ लिख रही हैं। जरूरत है कि हम उन्हें और अधिक समर्थन दें, ताकि वे अपनी प्रतिभा को और अधिक निखार सकें।

"अगर एक महिला ठान ले, तो कोई भी क्षेत्र उसके लिए असंभव नहीं!" इस महिला दिवस पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने घर, समाज और कार्यस्थल पर महिलाओं को सम्मान देंगे, उनके सपनों का समर्थन करेंगे, और एक ऐसा माहौल बनाएंगे जहाँ वे बिना किसी डर के आगे बढ़ सकें। क्योंकि जब एक महिला आगे बढ़ती है, तो सिर्फ वह नहीं, बल्कि पूरा समाज आगे बढ़ता है। "नारी ही शक्ति है, नारी ही जीवन है। नारी के बिना यह सृष्टि अधूरी है।"।

मुद्दाः जरूरी हैं क्या स्कूलों में स्मार्टफोन!

डॉ. घनश्याम बादल

दिल्ली हाई कोर्ट ने अपने एक हालिया फैसले में साफ किया है कि विद्यालय परिसर में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध विधिसम्मत नहीं है, और अभी तक विद्यालय में छात्र-छात्राओं द्वारा स्मार्टफोन ले जाने के कोई हानिकारक परिणाम भी सामने नहीं आए हैं। अदालत के इस फैसले ने हलचल पैदा कर दी है। बेशक, आज का युग तकनीकी का युग है, और इस आधार पर कहा जा सकता है कि बच्चों को भी स्मार्टफोन के उपयोग से रोकने का मतलब उनको तकनीकी के प्रयोग से रोकना है, लेकिन साथ ही साथ देश के अलग-अलग कोनों से विद्यालय परिसर या उसके बाहर किशोरवय बच्चों द्वारा स्मार्टफोन के प्रयोग से अनेक विवादास्पद प्रकरण भी सामने आए हैं। अब एक तरफ उच्च न्यायालय का फैसला हैङ्क तो दूसरी तरफ आम लोगों की राय।

स्मार्टफोन के उपयोग से अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया सरल ज्ञानवर्धक एवं मनोरंजन बन सकती है, और उसे सहायक उपकरण के रूप में उपयोग किया जा सकता है। इंटरनेट के माध्यम से छात्र आसानी से शैक्षणिक सामग्री, वीडियो और ऑनलाइन पाठ्यक्रम तक पहुंच सकते हैं। स्मार्टफोन की मदद से विद्यार्थी किसी भी विषय पर तेज और अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उनका ज्ञान और समझ, दोनों बढ़ते हैं। साथ ही, स्मार्टनेस भी बढ़ती है, तो इस हिसाब से स्मार्टफोन का उपयोग बच्चों को स्मार्ट बनने में मदद करता है। पढ़ने-सीखने के लिए अब वह समय नहीं रहा जब विद्यार्थी पुस्तकालय एवं पुस्तकों के माध्यम से सीखने को बाध्य थे। आज विद्यार्थियों को लाइब्रेरी में घंटों बिताने की बजाय स्मार्टफोन के माध्यम से तेजी से और प्रभावी तरीके से अध्ययन सामग्री मिल जाती है, जिससे समय तो बचता ही है, बच्चों को एकदम नई जानकारी भी प्राप्त हो जाती है। आज के जमाने में बिना टेक्नोक्रेट बने अच्छा कॅरियर बनाना संभव नहीं है। स्मार्टफोन का उपयोग विद्यार्थियों को डिजिटल और वर्चुअल दुनिया से परिचित कराता है, जिससे उनकी तकनीकी दक्षता बढ़ती है। यह भविष्य में उन्हें कॅरियर के अवसरों के लिए तैयार करता है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का जमाना है। गूगल मीट या दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से स्मार्टफोन विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच संवाद को आसान बनाता है। विद्यार्थियों को किसी विषय पर शंका हो, तो वे शिक्षक से तुरंत संपर्क कर अपनी समस्याएं हल कर सकते हैं।

लेकिन स्मार्टफोन के सकारात्मक पहलुओं के बीच दूसरा पक्ष भी देखना जरूरी है। स्मार्टफोन में सोशल मीडिया, गेम्स, और अन्य बहुत से आकर्षक ऐप्स होते हैं, जो विद्यार्थियों का ध्यान पढ़ाई से भटकाते हैं। इससे उनके अध्ययनझमनन में कमी आ सकती है। प्रायः देखने में आता है कि मोबाइल के माध्यम से पढ़ने वाले बच्चे एकाग्रचित होकर नहीं पढ़ पाते। वजह है एक साथ कई-कई विंडो खोल कर कईझकई चीजों को देखने की लत। यदि स्मार्टफोन का प्रयोग कम उम्र के अपरिपक्व बच्चों को करने की खुली छूट मिल जाए तो फिर उनकी एकाग्रचितत्ता भंग ही होगी। देखने में आया है कि स्मार्टफोन जल्दी ही लत का रूप ले लेता है, और बच्चे लंबे समय तक उसी में लगे रहते हैं। लंबे समय तक स्मार्टफोन का उपयोग करने से आंखों की समस्याएं, सिर दर्द और मानसिक तनाव बढ़ना स्वाभाविक है। स्मार्टफोन का गलत उपयोग भी होता है जैसे नकल, पढ़ या समझ कर प्रश्न हल करने की बजाय उपलब्ध सामग्री को कॉपी-पेस्ट करके गृह कार्य या प्रोजेक्ट बनाना, चैट जीपीटी या ऐसे ही दूसरे एप्स अथवा साइट्स से अध्ययन की सामग्री बिना सोचे-समझे ले लेना विद्यार्थियों को गलत आदतें सिखा सकता है। साइबर बुलिंग, पॉर्न साइट्स या अश्लील सामग्री देखना या पढ़ना जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

बेशक, स्मार्टफोन स्टेटस सिंबल बन गया है। चाहे मां-बाप की सामर्थ्य है या नहीं, मगर उन्हें बच्चों को महंगा फोन खरीद कर देना ही पड़ता है। ऐसे में स्मार्टफोन खरीदने और उसे मेंटेन करने के लिए वित्तीय बोझ बढ़ता है। इंटरनेट पर अनेक नशीली और

अपत्तिजनक सामग्री रहती हैं। ऐसे में विद्यालयों में स्मार्टफोन पहुंच जाएगा तो बच्चों को इस प्रकार की सामग्री से बचाना मुश्किल हो सकता है। दोनों पक्षों को ध्यान में रख कर ही न्यायालय ने स्मार्टफोन के उपयोग को तो रोकने से मना कर दिया है, लेकिन साथ ही साथ इन खतरों से बचने के लिए कई अनुबंध एवं शर्तें भी इस निर्णय के साथ जोड़ दी हैं। हाई कोर्ट ने कहा है कि छात्रों को स्कूल में स्मार्टफोन ले जाने से नहीं रोका जाना चाहिए, लेकिन उपयोग की निगरानी हो। इस निर्णय के आलोक में कहा जा सकता है कि विद्यार्थी भले ही स्मार्टफोन स्कूल प्रांगण में ले जाएं लेकिन उसके उपयोग को बहुत सीमित कर दिया जाए। (लेखक शिक्षा क्षेत्र से जुड़े.हैं)

आर्थिक असमानता में सौ वर्षों का रिकॉर्ड टूटा : संजय सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने कहा कि देश में आर्थिक असमानता ने 100 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया और करीब एक सौ करोड़ लोगों के पास अपने जरूरत के अलावा कुछ भी खरीदने के लिए पैसा नहीं है। श्री सिंह ने संवाददाता सम्मेलन में गुरुवार को कहा कि देश में आर्थिक असमानता ने 100 वर्षों का रिकार्ड तोड़ दिया है। इसका मतलब सौ साल पहले जितनी असमानता थी वह आज है। उन्होंने कहा कि एक सौ करोड़ लोगों के पास अपने जरूरत के अलावा कुछ भी खरीदने के लिए पैसा नहीं है। देश की अर्थव्यवस्था इस हालत में है, लेकिन सरकार की तरफ से कोई भी एक शब्द बोलने को तैयार नहीं है। सरकार ने लोगों को उनकी बदहाली में छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बातों पर देश के लोगों ने अपना पैसा शेयर बाजार में लगाया और देशवासियों का 94 लाख करोड़ रुपया शेयर बाजार में डूब गया। लोगों की जिंदगी की गाढी कमाई का पैसा डूब गया, लेकिन प्रधानमंत्री कुछ नहीं बोल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अपने चंद मित्रों का सोलह लाख करोड़ रुपया माफ किया। यह देश के लोगों का पैसा था। उन्होंने कहा कि सरकार अनाप शनाप टैक्स लगाकार लोगों से पैसा वसूलती है और अपने मित्रों का कर्ज माफ कर देती है। आप नेता ने कहा कि वक्त है इस देश बचाने का। वक्त है डूबती हुई अर्थव्यवस्था पर सवाल उठाने का है। उन्होंने कहा कि सब्जियों के दाम में पिछले बारह महीने में 26.5 प्रतिशत की बढोतरी हुई है। पिछले बारह महीने में टमाटर के दाम में 247 प्रतिशत बढोतरी हुई। आलू के दाम में 180 प्रतिशत की बढोतरी हुई है। प्रधानमंत्री को सामने आकर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के शासन में लगातार रुपये की कीमत गिरती गई और अब एक डालर 87 रुपये पहुंच गया जबकि जब उनको देश की सत्ता मिली थी तब एक डालर साठ रुपये के बराबर था।

टीएमसी नेता साकेत गोखले ने किया हाईकोर्ट का रुख, लक्ष्मी पुरी से मांगा गया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। माफी मांगने व जुर्माना लगाने के आदेश को वापस लेने का निर्देश देने की मांग को लेकर टीएमसी नेता साकेत गोखले हाईकोर्ट पहुंचे। साथ ही अदालत के आदेश का अनुपालन करने में देरी के लिए माफी देने को लेकर आवेदन भी दायर किया। अदालत ने गोखले के आवेदन पर पूर्व राजनयिक लक्ष्मी पुरी से जवाब मांगा है। लक्ष्मी पुरी द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे में हाईकोर्ट ने साकेत को लक्ष्मी पुरी से माफी मांगने और 50 लाख रुपये का हर्जाना देने का निर्देश दिया था। हालांकि, उक्त आदेश का अनुपालन नहीं करने पर लक्ष्मी पुरी ने अवमानना याचिका दायर की है। अवमानना याचिका पर गोखले ने आवेदन दाखिल किया है।

एनडीएमसी के संपत्ति कर कार्यालय इस माह शनिवार और रविवार को भी खुलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने मार्च के महीने में सामान्य कार्य दिवसों के अलावा भी प्रत्येक शनिवार और रविवार को संपत्ति कर संग्रह काउंटरों के साथ-साथ टैक्स कार्यालय खोलने का निर्णय लिया है। एनडीएमसी के प्रवक्ता ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-2025 के अंतिम चरण के कारण मार्च में सामान्य कार्य दिवसों के अलावा भी प्रत्येक शनिवार और रविवार को खुले रहेंगे। उन्होंने बताया कि मार्च के पूरे महीने में टैक्स संग्रह के उद्देश्य से कार्य दिवस के रूप में घोषणा कर के करदाताओं को उनके देय कर भुगतान को जमा करने में सुविधा प्रदान की गई है। एनडीएमसी ने भुगतान जमा करने के लिए तीन भुगतान जमा काउंटर निर्धारित किए हैं जिनमें- पहला गोल मार्केट में शहीद भगत सिंह प्लेस कैश काउंटर, दूसरा आरके पुरम में पालिका भवन कैश काउंटर और तीसरा संसद मार्ग पर पालिका केंद्र कैश काउंटर है। एनडीएमसी अपने अधिकार क्षेत्र में लगभग 15,600 संपत्तियों पर टैक्स की देखरेख करती है। इनमें लगभग 16 सौ सरकारी संपत्तियां और लगभग 14 हजार निजी संपत्तियां शामिल हैं। इनमें से एक हजार संपत्तियां कराधान से मुक्त हैं। फरवरी 2024-25 के मध्य तक 9,600 टैक्स योग्य संपत्तियों से 807 करोड़ रुपये एकत्र किए गए हैं। इस वित्तीय वर्ष के लिए टैक्स जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित की गई है। एनडीएमसी का लक्ष्य 2024-25 में संपत्ति कर से 1,150 करोड़ रुपये एकत्र करना है। 2023-24 में 1,030 करोड़ रुपये एकत्र किए गए थे।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह का ऐलान- आयुष्मान भारत के लिए पंजीकरण इस महीने से

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि आयुष्मान भारत योजना के लिए पंजीकरण प्रक्रिया आठ मार्च के बाद शुरू होगी जो राष्ट्रीय राजधानी में स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सिंह ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली सरकार जल्द ही इस योजना को लागू करने के लिए केंद्र के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेगी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि शहर की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में बुनियादी बदलाव 100 दिनों के भीतर दिखायी देंगे। मंत्री ने अस्पताल के बिस्तरों के आवंटन और ईडब्ल्यूएस कोटे की सख्त निगरानी पर जोर दिया और कहा कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए दो नोडल अधिकारियों की नियुक्ति हुई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि दिल्ली के किसी भी सरकारी अस्पताल में दवाओं की कमी नहीं होगी। दिल्ली की पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की आलोचना करते हुए सिंह ने दावा किया कि करीब 2, 500 मोहल्ला क्लीनिक केवल कागजों पर ही थे और किराये के खर्च का दुरुपयोग किया जा रहा था। उन्होंने कहा, ''भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए ऐसे क्लीनिक बंद करने का आदेश पारित किया गया है।' सिंह ने यह भी बताया कि दिल्ली में लगभग 20 प्रतिशत बच्चों का जन्म अस्पतालों के बाहर होता है तथा सरकार संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देकर इस आंकड़े को सुधारने का लक्ष्य रखती है।

सीएम रेखा गुप्ता का बड़ा एलान, दिल्ली में नहीं रुकेगा कोई काम; अफसरों को दिए सख्त निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार सुबह शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के कई इलाकों की पेयजल, सफाई और सड़कों की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान सीएम रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को जन समस्याओं के तुरंत समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि दिल्ली के हर नागरिक तक सभी मूलभूत सुविधाएं उचित रूप से पहुंचें और इसके लिए हम निरंतर कार्यरत हैं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ शालीमार गांव चौक, मैक्स रोड, हैदरपुर गांव चौक सहित अन्य क्षेत्रों में पेयजल, सफाई और सड़कों की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्थानीय नागरिकों से उनकी समस्याओं पर बात की और उनके फीडबैक के आधार पर अधिकारियों को जल, सड़कों और गंदगी से संबंधित समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के आदेश दिए।

इसके बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता संवाद में पहुंचीं। वहीं, संवाद में चांदनी चौक से भाजपा के सांसद प्रवीन खंडेलवाल भी मुख्यमंत्री के साथ मंच पर मौजूद रहे। दिल्ली भर से 500 से अधिक व्यापारी और उद्यमी मौजूद रहे। जो, सीलिंग, इंस्पेक्टरराज, बाजारों के पुनर्विकास, मूलभूत सुविधाओं का अभाव, वायु प्रदूषण के नाम पर उद्योग को निशाना बनाए जाने जैसे अन्य मुद्दे उठा रहे हैं। वहीं, जीएसटी विभाग के नोटिस, जलभराव, सीवर की समस्या, पगड़ी कानून का भी मुद्दा उठाया।

सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि यह संवाद दिल्ली में भाजपा सरकार के पहले बजट को लेकर है। इन सुझावों को बजट में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आधारभूत सुविधाओं का विकास हो, सीवर सफाई, 24 घंटे निकलकर सड़क पर काम करने को हमारी सरकार तैयार है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि मोदी जी ने बड़े विश्वास के साथ आपकी बहन को जिम्मेदारी दी है। दिल्ली के विकास में आपका साथ चाहिए, दिल्ली के दर्द का अहसास मुझे हैं, पहले की सरकारें केवल दर्द का प्रचार करती थीं, मैं कोशिश करूंगी कि उपचार करूं। उन्होंने कहा व्यवस्थाएं, बिगड़ी, जंग लगा, अफसरशाही का डर व्यापारी के चेहरे पर देखा है। आप लोगों ने, जब ध्यान कर लिया कि दिल्ली इस तरह से नहीं चल पाएगी, सही हाथों में देना चाहिए तो बदलाव किया।

अफसरों की जेब में नहीं जाने दूंगी पैसेः सीएम रेखा गुप्ता

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा बड़े-बड़े व्यापारियों हब, औद्योगिक एरिया में व्यवस्था बिगड़ी है, शुरुआत नए तरीके से करना पड़ेगा, पूरा सिस्टम बिगड़ा हुआ है। अस्पताल, स्कूल में सब जगह सिस्टम बिगड़ा हुआ है। स्कूल में पानी नहीं, शौचालय में पानी नहीं, करोड़ों की पीपीटी किट डब्बा बंद बर्बाद हो गई, राजस्व का एक एक पैसा ना गड्ढे में, ना अफसर की जेब ना नेताओं को जाने दूंगी।

उन्होंने कहा दिल्ली में वह सुविधाएं और माहौल नहीं मिला। 70 प्रतिशत दिल्ली के उद्यमी व्यापारियों रोज बाहर जाना पड़ता है, क्योंकि उनका व्यापार उद्योग एनसीआर में है। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि हर समस्या का समाधान करूंगी, चाहे जो करना पड़े। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा मोदी सरकार की नीति और नियत साफ है, कोई एक रुपये का झोल नहीं, जीएसटी नहीं बढ़ेगी। सरकार की व्यवस्था और नियमों को मानते हुए दिल्ली को बहुत बड़ा उद्योग व्यापार का सेंटर बनाना है और उसके लिए पॉलिसी बने, उसके लिए आप सुझाव दें,

मै काम करूंगी। वहीं, सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि इतने काम बताए पैसा कहा से आयेगा तो मुख्यमंत्री ने कहा (हंसते हुए) कि आप लाते जाओ मैं खर्च करती जाऊंगी।

दिल्ली बजट 2025-26 : व्यापारी संगठनों से मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने की मुलाकात, महत्वपूर्ण सुझाव मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बजट 2025-26 के लिए जनता से उनके सुझाव और अपेक्षाएं प्राप्त करने के उद्देश्य से एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली के विभिन्न व्यापारिक और औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। सीएम गुप्ता ने बताया कि आज उन्हें व्यापार जगत से जुड़े कई महत्वपूर्ण और कीमती सुझाव प्राप्त हुए हैं। हमें दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से आए व्यापारियों से उनके अनुभव और समस्याएं सुनने का अवसर मिला। इन सुझावों से यह समझने में मदद मिली कि पिछले कई सालों से व्यापारिक संगठनों को अफसरशाही और अव्यावहारिक नीतियों के कारण भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। सीएम ने कहा कि व्यापारियों ने जो समस्याएं बताई हैं, उनमें सीवरेज की दिक्कतें, गली-मोहल्लों की खराब स्थिति, नालियों का जाम होना और खड़ंजा नहीं बनने जैसी बुनियादी समस्याएं शामिल हैं। इसके साथ ही इंडस्ट्रियल एरिया में आवश्यक सुधार नहीं होने, छोटे-छोटे मार्केट कॉम्प्लेक्स और बड़े बाजारों में शौचालय की कमी जैसी समस्याएं भी सामने आईं। मुख्यमंत्री ने व्यापारी संगठनों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा, ÷पूर्व सरकारों में केवल समस्याओं का प्रचार हुआ था, लेकिन हम कोशिश करेंगे कि इन समस्याओं का प्रभावी समाधान किया जाए और व्यापारियों की परेशानियों को दूर किया जाए।÷ इससे पहले भी महिला संगठनों के साथ मुख्यमंत्री ने मुलाकात कर उनके सुझाव और समस्याओं को जाना था। मुख्यमंत्री लगातार इस तरह का आयोजन कर लोगों से मिल रही हैं। यह बैठक दिल्ली के विकास में व्यापारियों और उद्योग जगत के सुझावों की अहमियत को दर्शाती है। सीएम गुप्ता ने इस बात का विश्वास दिलाया कि दिल्ली की उन्नति के लिए व्यापारियों के दर्द का उपचार किया जाएगा।

महिलाओं को 2500 देने के मुद्दे पर चुप है भाजपा : आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 06 मार्च (वेब वार्ता)। आम आदमी पार्टी (आप) दिल्ली की महिलाओं को 8 मार्च तक 2500 रुपए देने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी भाजपा को याद दिलाने के लिए गुरुवार को राजघाट, मूलचंद समेत अन्य चौराहे पर प्रदर्शन किया और जवाब मांगा कि आखिर महिलाओं के खाते में 2500 रुपए कब आएंगे? इस दौरान 'बस दो दिन और' लिखे प्ले कार्ड के साथ पूर्व विधायक ऋतुराज झा समेत आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और कहा कि दिल्ली की माताएं-बहने पूछ रही हैं कि अब तो 8 मार्च आने में सिर्फ दो ही दिन बचे हैं, उनको 2500 रुपए कब मिलेंगे।

प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उस रास्ते से गुजर रहे वाहन चालकों को भी भाजपा के वादे को याद दिलाया। कार्यकर्ताओं ने बताया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वादा किया गया था कि अगर दिल्ली में भाजपा की सरकार बन जाती है तो वह हर महिला के लिए 2500 रुपये प्रतिमाह देने की योजना पहली ही कैबिनेट में पास करेगी और 8 मार्च तक महिलाओं के खाते में पहली किस्त आ जाएगी। लेकिन भाजपा की दिल्ली सरकार की पहली कैबिनेट की बैठक में इस स्कीम पर कोई चर्चा नहीं हुई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि अभी 8 मार्च में दो दिन बचे हैं और महिलाओं को खाते में 2500 रुपए आने का बेसब्री से इंतजार है। आम आदमी पार्टी मांग करती है कि पीएम मोदी जी द्वारा महिलाओं से की गई गारंटी को भाजपा समय से पूरा करे।

आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व विधायक ऋतुराज झा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान द्वारका में आयोजित एक रैली में महिलाओं से वादा किया था कि दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में सभी माताओं-बहनों के लिए 2500 रुपए प्रतिमाह देने की स्कीम पास की जाएगी। पीएम मोदी ने यह भी कहा था कि सभी माताएं-बहनें अपने आधार कार्ड को बैंक अकाउंट के साथ लिंक करा लें, ताकि जब उनके खाते में पैसे आएं तो उसका मैसेज मोबाइल पर आ सके। उन्होंने कहा कि अब दिल्ली की माताएं-बहनें बैंक अकाउंट से अपना आधार कार्ड लिंक कराकर आस लगाए बैठी हैं कि उनके खाते में 2500 रुपए कब आएंगे? अब तो 8 मार्च में मात्र दो दिन ही बचे हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी हर बार की तरह इस बार भाजपा को मोदी जी की गारंटी को जुमला नहीं बनने देगी। हम महिलाओं को 2500 रुपए दिलवाने के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेंगे और उनको 2500 रुपए दिलवाकर रहेंगे।

गौरतलब है कि भाजपा से दिल्ली की महिलाओं को 2500 रुपए दिलवाने के लिए आम आदमी पार्टी पिछले तीन दिनों से सड़क पर है। मंगलवार को दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मंडी हाउस में प्रदर्शन किया। जबकि बुधवार को आईटीओ समेत दिल्ली के कई फ्लाईओवर पर प्रदर्शन किया और पूछा कि महिलाओं के खाते में 2500 रुपए कब तक आएंगे?

महापौर महेश कुमार ने जनस्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ बैठक की

-अवैध स्पा, रेस्टोरेंट एव ओयो होटल के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के दिए नर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मेयर महेश कुमार ने गुरुवार को दिल्ली नगर निगम के जनस्वास्थ्य विभाग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए निगम स्वास्थ्य अधिकारी एवं सभी 12 क्षेत्रों के उप स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में डिप्टी मेयर श्री रविंद्र भारद्वाज, नेता सदन मुकेश गोयल, निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. लक्ष्मन राम वर्मा सहित सभी क्षेत्रों के उप स्वास्थ्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। मेयर महेश कुमार ने निगम स्वास्थ्य अधिकारी एवं सभी उप स्वास्थ्य अधिकारियों को दिल्ली में अवैध रूप से चल रहे स्पा सेंटरों, ओयो होटल एवं अवैध रेस्टोरेंट के ऊपर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मेयर ने कहा कि जनस्वास्थ्य विभाग को दिल्ली नगर निगम के राजस्व को ओर बढ़ाने के लिए कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अवैध रूप से चल रहे स्पा सेंटरों, ओयो होटल एवं अवैध रेस्टोरेंट के कारण संबंधित क्षेत्रवासियों को विभिन्न प्रकार की कठिनाइयों एवं असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। मेयर ने कहा कि अवैध रेस्टोरेंट बिना किसी मंजूरी एवं लाइसेंस शुल्क दिए चलाए जाते हैं जिस कारण निगम को राजस्व की हानि होती है। उन्होंने बैठक में उपस्थित जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि एक कार्ययोजना बना कर इन सभी अवैध स्पा सेंटर, ओयो होटल एवं अवैध रेस्टोरेंट के ऊपर कड़ी कार्रवाई करें। महेश कुमार ने कहा कि दिल्ली नगर निगम की आम आदमी पार्टी सरकार दिल्ली के नागरिकों को बेहतर सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि निगम की आम आदमी पार्टी सरकार का उद्देश्य निगम के राजस्व में बढ़ोतरी करके उसे काफी हद तक आत्मनिर्भर बनाना है ताकि दिल्लीवासियों की भलाई के कार्यों के निर्वहन में किसी भी प्रकार की कठिनाई न आए।

विधायक अजय महावर के सम्मान में भव्य समारोह आयोजित

नई दिल्ली (एजेंसी)। घोंडा विधानसभा से लगातार दूसरी बार निर्वाचित विधायक अजय महावर के सम्मान में एक भव्य समारोह दिल्ली विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में आयोजित किया गया। इस गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन डॉ. प्रभांशु ओझा द्वारा किया गया, जिसमें शिक्षा, समाज सेवा और राजनीति से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में प्रोफेसर रजनी अब्बी, प्रोफेसर रामा, डॉ. मोहन, भारत भूषण, दिव्य केतु, रामराज तिवारी सहित विभिन्न कॉलेजों के प्रबंधकों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। सभी अतिथियों ने विधायक अजय महावर का पारंपरिक रूप से अभिनंदन करते हुए उन्हें भगवान श्रीराम की प्रतिमा, पुष्पमालाएं एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने अजय महावर के धर्म, संस्कृति और समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि विधायक जी न केवल जनसेवा और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित हैं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक मूल्यों के

संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। श्री महावर ने सदैव सनातन संस्कृति को सशक्त बनाने और समाज में सद्भाव बनाए रखने के लिए कार्य किया है। अजय महावर के नेतृत्व में घोंडा विधानसभा में विकास कार्यों की एक नई लहर देखी गई है। उनके प्रयासों से क्षेत्र में आधारभूत संरचनाओं का सुधार हुआ है, जिससे नागरिकों के जीवनस्तर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने विधायक के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उनके जनहितकारी कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि घोंडा विधानसभा का निरंतर विकास और धार्मिक-सांस्कृतिक उत्थान उनकी दूरदृष्टि और निष्ठा का परिणाम है।

खट्टर ने किशनगढ़-वसंत कुंज स्टेशन के बीच बने मेट्रो की भूमिगत सुरंग का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 06 मार्च (वेब वार्ता)। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य तथा ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने गुरुवार को तुगलकाबाद-एरोसिटी गलियारे पर किशनगढ़ और वसंत कुंज स्टेशन के बीच बनी भूमिगत सुरंग का उद्घाटन किया। खट्टर ने इस मौके पर कहा, 'दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) की एक और परियोजना पर काम काफी तेजी से चल रहा है। यह परियोजना एरोसिटी से तुगलकाबाद गोल्डन लाइन है। मैं डीएमआरसी के अधिकारियों और इससे जुड़े सभी अधिकारियों को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिनकी मेहनत और लगन की वजह से दिल्ली मेट्रो ने यह उपलब्धि हासिल की है।

यह सुरंग ऐरोसिटी - तुगलकाबाद गोल्डन लाइन के तहत बनाई गई है। 23.6 किमी लंबे इस कॉरिडोर में 16 स्टेशन होंगे, जो कनेक्टिविटी और यात्रा को सुगम बनाएंगे। डीएमआरसी ने चौथे चरण में तुगलकाबाद-एरोसिटी गलियारे पर किशनगढ़ और वसंत कुंज स्टेशन के बीच 1550 मीटर लंबी सुरंग की खुदाई पूरी करने में सफलता हासिल की। इस कार्य के लिए 91 मीटर लंबी टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) का उपयोग किया गया। एरोसिटी-तुगलकाबाद गलियारे के हिस्से के रूप में इस खंड पर आवाजाही के लिए ऊपर और नीचे दो समानांतर गोलाकार सुरंगों का निर्माण किया जा रहा है। दूसरी समानांतर सुरंग का कार्य जून 2025 में पूरा होने की संभावना है।

इस नई सुरंग का निर्माण लगभग 23.0 मीटर (न्यूनतम गहराई 15.7 मीटर और अधिकतम 30.2 मीटर) की औसत गहराई पर किया गया है। टनल में लगभग 1107 रिंग लगाए गए हैं, जिनका आंतरिक व्यास 5.8 मीटर है। सुरंग के निर्माण में ईपीबीएम (अर्थ प्रेशर बैलेंसिंग मेथड) तकनीक का उपयोग किया गया है, जिसमें प्रीकास्ट टनल रिंग से बनी कंक्रीट लाइनिंग है। इन सुरंगों को मुंडका में स्थापित एक पूरी तरह से मशीनीकृत कास्टिंग यार्ड में कास्ट किया गया है। कंक्रीट सेगमेंट को शीघ्र मजबूती प्रदान करने के लिए स्टीम क्योरिंग सिस्टम का इस्तेमाल किया गया है। हद्द2 ष्ठद्गद्यद्धद्ध

डीएमआरसी के अनुसार सुरंग का निर्माण कार्य 30 अक्टूबर 2023 को शुरू किया गया था और इसमें खड़ी ढलान के साथ-साथ अभ्रक और कठोर चट्टानों से युक्त भूविज्ञान की विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। सुरंग के निर्माण के दौरान मौजूदा संरचनाओं के नीचे सभी आवश्यक सुरक्षा सावधानियां बरती गई। आस-पास की संरचनाओं पर लगे अत्यधिक संवेदनशील उपकरणों से जमीन की गतिविधियों पर नजर रखी गई, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं भी कोई नुकसान न हो। चौथे चरण में दिल्ली मेट्रो 40.109 किमी भूमिगत लाइनों का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें एरोसिटी-तुगलकाबाद गलियारे में कुल 19.343 किमी भूमिगत खंड हैं। इस मौके पर आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय में राज्यमंत्री तोखन साहू, डीएमआरसी के अधिकारी और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि टीबीएम एक ऐसी मशीन है, जिसका उपयोग मिट्टी और घ?ट्टानी विभिन्न परतों के माध्यम से क्रॉस-सेक्शन वाली गोलाकार सुरंगों की खुदाई करने के लिए किया जाता है। इन्हें कठोर च?ट्टान से लेकर रेत तक किसी भी चीज को भेदने के लिए डिजाइन किया जा सकता है। भीड़-भाड़ वाले शहरी क्षेत्रों में भूमिगत सुरंग बनाने के काम के

लिए टीबीएम विशेष रूप से उपयोगी हैं। डीएमआरसी ने पहले चरण से ही सुरंग बनाने के काम के लिए टीबीएम का उपयोग किया है। तीसरे चरण में लगभग 50 किमी के भूमिगत सेक्शनों के लिए राष्ट्रीय राजधानी में लगभग 30 टीबीएम का उपयोग किया गया था।

पूर्व सीएम केजरीवाल की जेड कैटेगरी सुरक्षा में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की जेड कैटेगरी सुरक्षा जारी रहेगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सुरक्षा समीक्षा के बाद यह फैसला लिया है। गृह मंत्रालय के अनुसार, केजरीवाल की सुरक्षा को लेकर खतरे के आकलन के बाद आगे भी समीक्षा की जाएगी। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) और दिल्ली पुलिस द्वारा सुरक्षा स्थिति की निगरानी की जाएगी, और आवश्यकतानुसार मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। गौरतलब है कि अरविंद केजरीवाल को जेड प्लस सुरक्षा मिली हुई है, लेकिन वह कानूनी रूप से अन्य राज्यों की सुरक्षा नहीं ले सकते। यदि कोई अन्य राज्य का वीवीआईपी दिल्ली आता है और उसे सुरक्षा दी जाती है, तो वह अधिकतम 72 घंटे तक ही वैध होगी। इसके लिए भी दिल्ली पुलिस को पूर्व सूचना देना अनिवार्य है, अन्यथा यह कानून का उल्लंघन माना जाएगा। गृह मंत्रालय के इस फैसले से साफ है कि अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और किसी भी संभावित खतरे को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

जम्मू में आतंकियों का मददगार गिरफ्तार

जम्मू (एजेंसी)। रामबन पुलिस ने पब्लिक सेफ्टी एक्ट के तहत आतंकवादियों के ओवर ग्राउंड वर्कर मंजूर अहमद को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस ने बताया कि मंजूर अहमद गूल व इसके आसपास के क्षेत्रों में राष्ट्र और समाज विरोधी गतिविधियों में शामिल रहा है। मंजूर अहमद लंबे समय से फरार था और गिरफ्तारी से बच रहा था। ऐसे में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। स्पेशल टीम ने कामयाबी हासिल करते हुए मंजूर अहमद को गिरफ्तार कर लिया।

नालंदा मे युवति की निर्मम हत्या देखकर सन्न रह गए लोग, मानवता हुई शर्मसार

बिहार शरीफ (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, बिहार को सुशासन का राज बताते हैं। लेकिन जिस तरह से युवति की निर्मम तरीके से हत्या की गई है। उसको देखने के बाद लोग सन्न रह गए हैं। मानवता शर्मसार हो गई है। ऐसे निर्मम तरीके से किसी की हत्या कोई मानव कर सकता है। बुधवार की सुबह नालंदा के बिहार शरीफ स्थित बहादुरपुर गांव में एक युवति का शब मिला है। युवती के पूरे शरीर में मारने पीटने के निशान और घाव बने हुए हैं। लड़की के दोनों पैरों पर 9 कीलें ठोकी गई हैं। युवती की उम्र 24 वर्ष की बताई जा रही है। अभी उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। जहां शव मिला है,वहां पर खून के कोई निशान देखने को नहीं मिले हैं। जिसके कारण यह माना जा रहा है। हत्या और प्रताड़ना के बाद युवति का शव लाकर यहां फेंक दिया गया है। प्रारंभिक अवस्था में लाश को देखने के बाद लग रहा है, युवती गर्भवती है।

संभल हिंसा के एक आरोपी का फोटो वाला पोस्टर पुलिस ने सार्वेजानिक स्थानों पर लगवाया

संभल (एजेंसी)। जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हुए बवाल के बाद उत्तरप्रदेश पुलिस प्रशासन की ओर से आरोपितों की तलाश जारी है। इस दौरान सीसीटीवी फुटेज में एक आरोपित का फोटो दिखाई दे रहा है, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो पा रही थी। इसके बाद अब पुलिस प्रशासन की ओर से आरोपित की पहचान कराने को आरोपी का फोटो वाला पोस्टर सार्वजनिक स्थान पर चस्पा कर दिया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पुलिस ने अब तक करीब 76 आरोपितों की पहचान कर जेल भेज दिया है। बवाल के बाद एकत्र की गई सीसीटीवी की इन्हीं फुटेज में पुलिस को एक फुटेज ऐसी मिली है, जिसमें एक युवक भीड़ में शामिल लोगों को अपनी ओर आने का इशारा कर रहा है। पुलिस उस आरोपित की पहचान कराने में लगी रही, लेकिन काफी मशक्कत के बाद भी आरोपित की शिनाख्त नहीं हो सकी। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहे आरोपित युवक के फोटो वाले पोस्टर छपवाकर नगर में सार्वजनिक स्थानों पर चस्पा करवाए हैं, जिससे उनकी पहचान और उसके खिलाफ कार्रवाई हो सके। पुलिस की ओर से चिपकवाए गए पोस्टर में सूचना देने वाले की पहचान को गुप्त रखने व इनाम देने की घोषणा भी की है।

रील बनाने के चक्कर में नहर में गिरी कार, सवार तीन युवकों को तलाश रही पुलिस

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद के फतेहवाड़ी नहर में एक स्कॉर्पियो कार जा गिरी। गुरुवार को कार जब नहर में गिरी तब उसके अंदर तीन युवक मौजूद थे। बताया जा रहा है कि, रील बनाने के चक्कर में स्कॉर्पियो कार बेकाबू होकर नहर में जा गिरी। स्कॉर्पियो जैसे ही कैनाल में गिरी उसके तुरंत बाद वहां मौजूद दूसरे दोस्तों ने रस्सी डालकर तीनों युवकों को बचाने की कोशिश की वे लेकिन असफल रहे। जिसके बाद स्थानीय लोग मौके पर इकट्ठा हुए। इसकी जानकारी फायर ब्रिगेड और पुलिस को दी गई और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ। रेस्क्यू के लिए पहुंचे फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों के द्वारा स्कॉर्पियो गाड़ी को बाहर निकालकर गाड़ी में मौजूद तीनों युवकों की तलाश शुरू की गई है। पुलिस जानकारी के मुताबिक स्कोर्पियो कार 4 घंटे के लिए 3500 रुपए चुकाकर रील बनाने के लिए हृदय, ध्रुव और ऋतायु ने किराए पर ली हुई थी। स्कॉर्पियो गाड़ी लेकर जब तीनों वासना बैरेज पहुंचे तब वहां पहले से ही उनके 4 दोस्त विराज सिंह, यक्ष, यश और क्रिश वहीं मौजूद थे। पुलिस के मुताबिक, यक्ष ने स्कॉर्पियो गाड़ी चलाकर थोड़ी दूर जाने के बाद अपने दोस्त यश सोलंकी को चलाने के लिए दी थी। इस दौरान गाड़ी में क्रिश भी साथ में मौजूद था। स्कॉर्पियो रील बनाने के लिए ली गई थी, तब रील बनाने का काम भी जारी था। लेकिन गाड़ी अचानक बेकाबू होकर नहर में जा गिरती है। इसके बाद वहीं मौजूद तीनों युवकों के दोस्त विराजसिंह राठौड़ ने रस्सी की मदद से अपने दोस्तों को बचाने की कोशिश की लेकिन तीनों में से एक भी दोस्त रस्सी पकड़ नहीं पाए और पानी के तेज बहाव में बह गए।

पीएम मोदी और राहुल गांधी का गुजरात दौरा... गर्माएगी सियासत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जहां एक बार फिर गुजरात दौरे पर जा रहे हैं, तो वहीं लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर रहेंगे। पीएम मोदी और राहुल का यह दो दिवसीय दौरा गुजरात की राजनीति को गरमाने के लिए काफी होगा।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 और 8 मार्च को राज्य के सूरत और नवसारी जिलों में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने गुजरात पहुंच रहे हैं। इस दौरान वे सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से मुलाकात करेंगे और महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। एक तरह से पार्टी के लिए चुनावी प्लेटफार्म तैयार करने पीएम मोदी एक बार फिर गुजरात दौरे पर पहुंच रहे हैं। यहीं

प्रधानमंत्री मोदी 7 मार्च को सूरत के लिंबायत इलाके के नीलगिरी ग्राउंड में एक भव्य जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान वे सरकारी योजनाओं के तहत वृद्ध लाभार्थियों को विशेष किट वितरित करेंगे। इसके बाद वे सूरत के सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम कर अगले दिन, 8 मार्च को नवसारी जाएंगे। यहां पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम में पीएम मोदी शामिल

होंगे। नवसारी में भी वे एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे, जिसके बाद वे दिल्ली के लिए रवाना होंगे। गौरतलब है कि इससे पहले, 1 मार्च को पीएम मोदी तीन दिवसीय निजी दौरे पर गुजरात पहुंचे थे, जहां उन्होंने सौराष्ट्र के विभिन्न जिलों का दौरा किया था। उन्होंने जामनगर, गिर और जूनागढ़ में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और सोमनाथ मंदिर के दर्शन भी किए थे।

चुनावी रणनीति पर चर्चा करने पहुंच रहे राहुल

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी 7 और 8 मार्च को दो दिवसीय गुजरात दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे अहमदाबाद में पार्टी पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर आगामी चुनावी रणनीति पर चर्चा करेंगे। राहुल गांधी का यह दौरा आगामी 2027 के गुजरात विधानसभा चुनावों की तैयारियों को मजबूती प्रदान करने के लिए हो रहा है। वे पार्टी संगठन को पुनर्गठित करने और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर जोर देने वाले हैं। इसके अलावा, वे कांग्रेस के प्रदेशभर के कार्यकर्ताओं को संबोधित कर उनका मनोबल बढ़ाएंगे। जानकारी अनुसार कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन 8-9 अप्रैल को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा। इससे पहले राहुल गांधी का यह दौरा पार्टी के लिए अहम माना जा रहा है इससे रणनीति में बदलाव की संभावना व्यक्त की जा रही है।

अब चूंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7-8 मार्च को गुजरात के सूरत और नवसारी जिलों के दौरे पर रहेंगे वहीं राहुल गांधी भी दो दिवसीय दौरे पर गुजरात में रहेंगे तो ऐसे में राज्य की राजनीति गर्माने की पूरी उम्मीद है। इन दौरों को देखते हुए पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ता अपना पूरा जोश दिखाते दिखें तो हैरानी की बात नहीं होगी। यही वजह है कि गुजरात में राजनीतिक हलचल और तेज हो गई है। कांग्रेस और बीजेपी, दोनों ही आगामी चुनावों को लेकर अपनी रणनीति को धार देने में जुट गई हैं।

महाराष्ट्र की राजनीति में नया विवाद : छावा की स्क्रीनिंग से दूर रहना शिंदे की गलती तो नहीं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में किसी न किसी बहाने राजनीति की हवा गरम होते देर नहीं लगती है। हाल ही में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के शिवसेना गुट के मंत्रियों और विधायकों ने रायगढ़ के गार्जियन मंत्री पद को लेकर चल रहे विवाद के बीच बॉलीवुड फिल्म छावा की स्क्रीनिंग में भाग नहीं लिया। यह स्क्रीनिंग अजीत पवार गुट की एनसीपी विधायक और फडणवीस सरकार में मंत्री अदिति तटकरे द्वारा आयोजित की गई थी। इस आयोजन में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और अन्य प्रमुख नेताओं ने भाग लिया, जबकि शिवसेना की ओर से केवल राज्य मंत्री आशीष जैस्वाल ही उपस्थित थे। शिंदे का इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होना इस बात की ओर इशारा कर रहा है कि यह पार्टी का जानबूझकर किया गया बहिष्कार हो सकता है। रायगढ़ गार्जियन मंत्री पद शिवसेना और एनसीपी के बीच एक बड़ा विवाद बन चुका है। शिवसेना इस पद पर अपना अधिकार जमाने के लिए लगातार दबाव बना रही है, जबकि एनसीपी इस पद से अपनी दावेदारी छोड़ने को तैयार नहीं है। शिंदे गुट के भारत गोगावले ने इस पद पर अपनी दावेदारी की है, जबकि महिला और बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे इस पद पर दावा करने के लिए तैयार हैं। इससे पहले भी दोनों पार्टियों के बीच तनाव देखा गया था, जब शिवसेना के मंत्रियों ने अजीत पवार द्वारा आयोजित रायगढ़ योजना बैठक में हिस्सा नहीं लिया था। इस बैठक में तटकरे भी मौजूद थीं, जिससे दोनों पार्टियों के बीच के गहरे मतभेद और बढ़े। रायगढ़ जिले में फिलहाल शिवसेना का दबदबा देखा जाता है, जहां शिंदे गुट के तीन विधायक थोरवे, दलवी और गोगावले (महाड) हैं, जबकि एनसीपी की ओर से तटकरे (श्रिवर्धन) विधायक हैं।

अभी से तैयारी में जुटे कांग्रेस, वरना बिहार में होगा महाराष्ट्र, हरियाणा जैसा हाल

-कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तारिक अनवर ने किया आगाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली के चुनावों में हमें हार मिली है। इससे सबक लेकर बिहार चुनाव के लिए पहले से ही तैयारी करनी होगी। यदि गठबंधन में गांठ है, तब उस गांठ को समय रहते खत्म करना होगा। कांग्रेस के ही नेता तारिक अनवर ने अपनी पार्टी को यह हिदायत दी है। कांग्रेस नेता अनवर ने कहा कि बिहार चुनाव इसी साल अक्टूबर-नवंबर में है और बिना कोई समय गंवाए कांग्रेस को तैयारी में जुटना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस हाईकमान को आगाह करते हुए कहा कि अब हमारे पास वक्त नहीं है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य अनवर ने कहा कि दूसरे राज्यों की हार से सबक लेकर आरजेडी के साथ गठबंधन की हर गांठ को खत्म कर लेना चाहिए। हमें समय रहते ही समन्वय बैठकें शुरू करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जेडीयू और भाजपा के बीच पहले ही चीजें तय होने लगी हैं। वे चुनाव कैंपेन मोड में भी चले गए हैं। कांग्रेस नेता अनवर ने कहा, 'हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में कांग्रेस की हार के बाद अब बिहार का चुनाव अहम हो गया है। इसका असर बिहार में ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में होता है। यह कांग्रेस और हमारे सहयोगी दलों की जरूरत है कि बिहार में भाजपा और जेडीयू को हरा दिया जाए। इसलिए मेरी अपनी राय है कि हम देरी स्वीकार नहीं कर सकते। यदि कांग्रेस पार्टी देरी करती हैं, तब नुकसान होगा। चुनाव से कुछ सप्ताह या दिन पहले सक्रिय करने से कोई फायदा नहीं है। हमें अभी से बिहार चुनाव की तैयारी शुरू करनी होगी।' अनवर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने अलर्ट कर कहा कि लीडरशिप को हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली के नतीजे देखने चाहिए। इन नतीजों से सबक लेकर बिहार की तैयारी की जाए। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी और बिहार इकाई के बीच तुरंत ही समन्वय बनाकर काम शुरू किया जाए।

सनातन धर्म को खत्म करने संबंधी स्टालिन की टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट से राहत

-उसकी अनुमति के बिना कोई नई एफआईआर दर्ज नहीं होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सनातन धर्म को खत्म करने संबंधी टिप्पणी को लेकर तमिलनाडु के उप-मुख्यमंत्री एम उदयनिधि स्टालिन को फौरी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि उदयनिधि के खिलाफ उसकी अनुमति के बिना कोई नई एफआईआर दर्ज नहीं होगी। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि एक ही मुद्दे पर कई शिकायतें दर्ज नहीं हो सकतीं। साथ ही न्यायालय ने मौजूदा प्राथमिकियों की सुनवाई कर रही अदालतों में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने से स्टालिन को दी गई छूट संबंधी अंतरिम आदेश की अवधि बढ़ा दी। दरअसल एक कार्यक्रम में उदयनिधि स्टालिन ने बयान दिया था कि जिस तरह से कोरोना, मलेरिया, डेंगू को खत्म करते हैं, उसी तरह सनातन धर्म का सिर्फ विरोध नहीं होना चाहिए, बल्कि सनातन धर्म को पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ स्टालिन की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने सभी प्राथमिकियों को एक साथ जोड़ने और शिकायतों को एक स्थान पर स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था। पीठ ने लंबित मामले में दायर उनकी याचिका पर उन राज्यों को नोटिस जारी किए जहां नई प्राथमिकियां दर्ज की गई थीं।

स्टालिन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि महाराष्ट्र के अलावा पटना, जम्मू और बेंगलुरु में भी प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं। उन्होंने तर्क देकर कहा कि सभी मामलों को तमिलनाडु में स्थानांतरित किया जा सकता है जहां कथित घटना हुई थी। सिंघवी ने कहा कि स्टालिन के खिलाफ बिहार में एक नया मामला दर्ज हुआ है और लंबित याचिका में वहां के शिकायतकर्ताओं को पक्षकार बनाने के लिए संशोधन याचिका दायर की गई है। वकील सिंघवी ने कहा, नूपुर शर्मा के मामले में शब्दों को बहुत अधिक आक्रामक माना जाता है। न्यायालय ने अन्य सभी मामलों को उस स्थान पर स्थानांतरित किया था जहां पहली बार प्राथमिकी दर्ज हुई थी। इस मामले में यहीं समाधान है। महाराष्ट्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सनातन धर्म उन्मूलन सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री ने कहा था कि सनातन धर्म को मलेरिया, कोरोना, डेंगू आदि की तरह खत्म किया जाना चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हम मामले के गुण-दोष पर विचार नहीं कर रहे... केवल एक ही सवाल है कि क्या इन्हें एक ही स्थान पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए। मेहता ने कहा कि केवल इसलिए कि हिंदुओं ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, नेता को ऐसा कहने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

कौशांबी से पकड़ा गया खालिस्तानी आंतकी लाजर मसीह, कुंभ में गड़बड़ी फैलाने की तैयारी

कौशांबी (एजेंसी)। यूपी एसटीएफ और पंजाब पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। दोनों टीमों ने संयुक्त अभियान चलाकर कौशांबी जिले से बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के सक्रिय आतंकवादी को गुरुवार सुबह गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आतंकी के पास से 3 हैंड ग्रेनेड, 2 डेटोनेटर, एक विदेशी पिस्तौल और 13 जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। इसकी पहचान अमृतसर के कुर्लियान गांव के रहने वाले संदिग्ध आतंकी लाजर मसीह के रूप में हुई है। गिरफ्तार आतंकी महाकुंभ में गड़बड़ी फैलाने की फिराक में था। यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार ने इसकी जानकारी दी।

पुलिस महानिदेशक कुमार ने गिरफ्तार आतंकी को लेकर कई बड़े खुलासे किए। डीजीपी ने बताया कि आतंकी लाजर लगातार आईएसआई के संपर्क में था। पाकिस्तान में बैठे कुछ हैंडलर आंतकी लाजर लगातार ड्रोन और गोला बारूद और असलहे भेज रहे थे। डीजीपी ने बताया कि आतंकी लजर प्रयागराज में हुए महाकुंभ में कोई बड़ी आतंकी घटना करना चाहता था। इसके अलावा आतंकी पाकिस्तान से कई विस्फोटक हथियार भी अपने साथ लेकर आया था। महाकुंभ में आतंकी साजिश रचने के बाद लाजर पुर्तगाल भागने की फिराक में था। डीजीपी ने बताया कि महाकुंभ में आतंकी घटना करने के लिए आंतकी लाजर कौशांबी, लखनऊ और कानपुर में रहकर प्लान भी तैयार किया था। पुलिस को जब आतंकी घटना की जानकारी मिली तो सर्च अभियान चलाया। पुलिस की कार्रवाई में बब्बर खालसा इंटरनेशनल का आतंकी लाजर मसीह को कौशांबी से गिरफ्तार कर लिया गया।

महानिदेशक (यूपी स्पेशल टास्क फोर्स, कानून व्यवस्था) अमिताभ यश ने बताया कि आंतकी मसीह कथित तौर पर बीकेआई के जर्मन-आधारित मॉड्यूल के प्रमुख स्वर्ण सिंह उर्फ ??जीवन फौजी से जुड़ा हुआ है और वह पाकिस्तान स्थित आईएसआई के गुर्गों के सीधे संपर्क में भी था। ऑपरेशन के दौरान यूपी एसटीएफ ने तीन सक्रिय हैंड ग्रेनेड सहित विस्फोटक और अवैध हथियारों का जखीरा बरामद किया। इसके अलावा दो सक्रिय डेटोनेटर। एक विदेशी निर्मित नोरिन्को एम-54 टोकरेव पिस्तौल (7.62 मिमी)। विदेश में बने तेरह कारतूस (7.62×25 मिमी)। सफेद रंग का विस्फोटक पाउडर। गाजियाबाद के पते वाला आधार कार्ड। बिना सिम कार्ड वाला मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है।

माता-पिता दोनों की अनुमति के बिना नहीं बनेगा नाबालिग का पासपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। माता-पिता दोनों की अनुमति के बिना अब नाबालिग का पासपोर्ट नहीं बनेगा। अगर किसी एकल अभिभावक ने पासपोर्ट बनवाने के लिए आवेदन दिया है, तब उन्हें पहले से ज्यादा सूचनाएं और उनकी पुष्टि करने वाले दस्तावेज देना होगा। उन्हें दूसरे अभिभावक की ओर से सहमति न मिलने का कारण भी स्पष्ट करना होगा।

दरअसल विदेश मंत्रालय ने बीते दिनों नाबालिग के आवेदन के साथ लगने वाले अनुलग्नक-सी (माता-पिता की ओर से घोषणा-पत्र) में परिवर्तन किया है। अनुलग्नक-सी में सही जानकारी नहीं देने पर पासपोर्ट के आवेदन पर विचार नहीं होगा। नाबालिग के पासपोर्ट के आवेदन के साथ दोनों अभिभावकों की सहमति दी गई है, तब उन्हें अनुलग्नक-डी और एक अभिभावक की सहमति होने पर अनुलग्नक-सी भरकर देना होता है। इसमें अक्सर आवेदकों की ओर से सही जानकारी नहीं दी जाती थी। इसतरह के कई मामले सामने आए हैं, जिसमें अभिभावकों

के बीच विवाद होने पर पूरी जानकारी नहीं दी गई थी। आवेदन करने वाले अभिभावक की ओर से दूसरे की सहमति न मिलने का कारण उसका विदेश में रहना बताया गया। पूर्व में इसतरह के मामलों में विदेश में रहने के सुबूत दिया जाना अनिवार्य नहीं था।

वहीं, कोर्ट में तलाक का केस चलने पर सिंगल अभिभावक की ओर से आवेदन करने पर उनके लिए यह जानकारी देना अनिवार्य नहीं था कि न्यायालय की ओर से उन्हें बच्चे की कस्टडी दी गई है या नहीं। पासपोर्ट बनवाने के दौरान इसतरह के दस्तावेज जमा करने की अनिवार्यता भी नहीं थी जिसमें कोर्ट के पासपोर्ट जारी करने पर कोई शर्त या प्रतिबंध तो नहीं लगा रखा है।

1. माता या पिता में से कोई एक विदेश में रह रहा है और अनुमति देने में असमर्थ हैं, तब उनके पासपोर्ट और वीजा की कॉपी भी जमा करानी होगी।

2. अगर कोई एक अभिभावक विदेश यात्रा के लिए गया है, तब पासपोर्ट, वीजा के साथ टिकट या बोर्डिंग पास की कॉपी देनी होगी।

3. तलाक होने की स्थिति में सिंगल अभिभावक को आवेदन के साथ कोर्ट से बच्चे की कस्टडी और देखरेख के अधिकार का दस्तावेज देना होगा।

4. तलाक होने या मामला विचाराधीन होने पर अगर कोर्ट ने पासपोर्ट के संबंध में कोई निषेधाज्ञा लागू नहीं की है, तब तलाक याचिका की कॉपी देनी होगी।

5. तलाक हो जाने पर या मामला विचाराधीन होने पर अगर कोर्ट ने पासपोर्ट के संबंध में निषेधाज्ञा लागू की है, तब दोनों अभिभावकों की सहमति या न्यायालय की अनुमति जरूरी होगी।

केरल में निपाह वायरस को लेकर बढ़ी चिंता, सरकार ने शुरु की तैयारी

तिरुवंतनमपुरम (एजेंसी)। केरल में निपाह वायरस को लेकर फिर चिंता बढ़ गई है। केरल राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने कोझिकोड, मलप्पुरम, कन्नूर, वायनाड और एर्नाकुलम जिलों को जूनोटिक संक्रमण के हॉटस्पॉट मानकर विशेष सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। चमगादड़ों के प्रजनन के मौसम से पहले इन जिलों में जागरूकता अभियान शुरू किया गया हैं ताकि निपाह वायरस के बढ़ते खतरे को रोक सके।

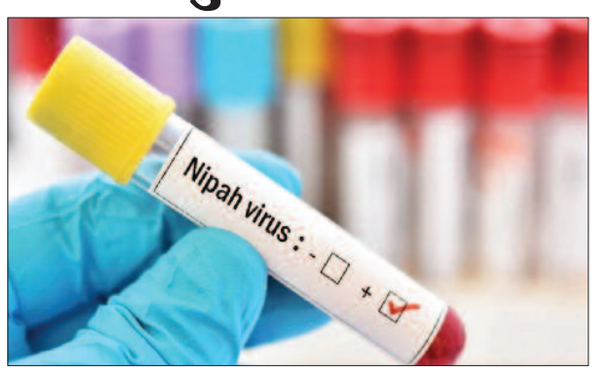

मिली जानकारी के मुताबिक, केरल सरकार ने रोग-ट्रैकिंग स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर कई बचाव उपाय किए हैं। इसमें सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम भी शामिल हैं, इसके द्वारा लोगों को निपाह वायरस से जुड़ी जोखिमों की जानकारी दी जा रही है और इससे बचाव के तरीकों के बारे में बताया जा रहा है।

दरअसल निपाह वायरस एक जूनोटिक वायरस है, यानी यह जानवरों से इंसानों में फैलता है। यह वायरस मुख्य रूप से चमगादड़ों और सुअरों के जरिए इंसानों में फैलता है। लेकिन सबसे चिंता वाली बात यह है कि संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से यह इंसान से इंसान में भी तेजी से फैल सकता है।

यह वायरस पहली बार 1998 में मलेशिया में पाया गया था, जब यह सुअरों से इंसानों में फैला था। भारत में भी 2001 और 2018 में इसके मामले सामने आए थे।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, निपाह वायरस का मृत्यु दर 40 से 75 प्रतिशत तक हो सकता है, जबकि कोविड-19 की मृत्यु दर औसतन 2 से 3 प्रतिशत थी। इसका मतलब है कि यह वायरस कम समय में ज्यादा लोगों की जान ले सकता है। फिलहाल, इस वायरस के लिए कोई वैक्सीन या पुख्ता इलाज उपलब्ध नहीं है, जिससे इसका खतरा और बढ़ जाता है।

हिंदु मतदाताओं का जीत विश्वास, केरल में यूडीएफ और एलडीएफ का खेल बिगाड़ेगी भाजपा

-लगातार बढ़ रहा भाजपा का वोट प्रतिशत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल विधानसभा चुनाव में अभी एक साल का समय बाकी है, लेकिन कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ और लेफ्ट की अगुवाई वाले एलडीएफ ने चुनावी तैयारियां अभी से शुरू कर दी है। इस बीच लोगों में पैठ बना रही भाजपा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस व वाम दलों की चुनौतियां बढ़ा सकती है।

केरल में बीते 10 वर्षों से वाम दल सत्ता में है। हालांकि वर्ष 2019 और 2024 के आम चुनाव में यूडीएफ ने बेहतर प्रदर्शन किया है। यह कहना मुश्किल है, कि लोकसभा का असर विधानसभा में दिखाई देगा। 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद वर्ष 2021 विधानसभा चुनाव में एलडीएफ ने केरल में सरकार बनाई थी। चुनावी रणनीतिकार मानते हैं कि पहले मतदाताओं के सामने यूडीएफ और एलडीएफ दो ही विकल्प होते थे। अब धीरे-धीरे दोनों गठबंधनों के वोट बैंक में सेंध लगाकर भाजपा अपनी जगह बना रही है। नायर और मछुआरा समुदायों पर भाजपा की पहले से नजर है। दोनों समुदाय अमूमन चुनाव में एलडीएफ का समर्थन करते रहे हैं।

केरल में अब तक राजनीति दो ध्रुवीय रही है, लेकिन भाजपा के प्रवेश के बाद सियासत बदल गई है। अगर भाजपा सभी सीट पर चुनाव लड़ती है, तब मुकाबला त्रिकोणीय होगा है। प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि भाजपा विधानसभा चुनाव में अभी अपना प्रदर्शन बरकरार रखती है, तब यह यूडीएफ और एलडीएफ दोनों का गणित बिगाड़ सकती है। क्योंकि, भाजपा का वोट बैंक लगातार बढ़ रहा है। लोकसभा में एनडीए को 19 फीसदी वोट मिले। जबकि 2021 विधानसभा में यह 12 प्रतिशत था।

केरल में कांग्रेस रणनीतिकार मानते हैं कि एलडीएफ सरकार के खिलाफ लोगों में खासी नाराजगी है। पर क्या यूडीएफ मतदाताओं की नाराजगी को अपने पक्ष में बदल पाएगी। वहीं, एलडीएफ के लिए भी अपना पुराना प्रदर्शन दोहराना आसान नहीं है। इसकी बड़ी वजह लोकसभा चुनाव में त्रिशूर सीट से भाजपा की जीत है। भाजपा ने केरल में सिर्फ त्रिशूर सीट से जीत दर्ज नहीं की है, करीब एक दर्जन विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा उम्मीदवार को सबसे अधिक वोट मिले हैं। भाजपा के प्रदर्शन से साफ है कि वह हिंदू मतदाताओं को भरोसा जीतने में सफल रही है। वहीं, ईसाई मतदाताओं के लिए भी भारतीय जनता पार्टी अब दूर नहीं है।

थोड़ी सी सावधानी से डायबिटीज के मरीज भी ले सकते हैं होली का मजा

होली खाने-पीने और लोगों से मिलने-जुलने का मौका होता है. होली के दिन दोस्त-रिश्तेदार मिलते हैं, पार्टियों का दौर चलता है. लेकिन इन पार्टियों और बेवक्त खाने-पीने का बुरा असर उन लोगों के शरीर पर ज्यादा पड़ता है जो पहले से ही किसी शारीरिक समस्या से जूझ रहे हैं. त्योहारों के दौरान खान-पान में लापरवाही बरतने से डायबिटीज के मरीजों की परेशानी बढ़ जाती है. आज इस त्योहारी सीजन पर हम आपके साथ कुछ ऐसे टिप्स शेयर कर रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप पूरे जोश के साथ होली का मजा ले पाएंगे, वो भी बीमारी की चिंता किए बिना.

होली के दौरान ब्लड शुगर लेवल को कैसे रखें कंट्रोल

विशेषज्ञों का कहना है कि होली के बाद बड़ी संख्या में लोगों का ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है. पिछले कुछ सालों के आंकड़ों पर गौर करें तो त्योहारी सीजन के दौरान 250 द्द्द/स्ररुसे ऊपर ब्लड शुगर लेवल वाले लोगों के ब्लड शुगर लेवल में 15 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है, जबकि 300 द्द्द/स्ररु से ऊपर ब्लड शुगर लेवल वाले लोगों में 18 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है. इस होली पर डायबिटीज के मरीज अपने खान-पान पर थोड़ा कंट्रोल रखकर अपनी सेहत को बेहतर रख सकते हैं और त्योहार को भी उसी उत्साह और खुशी के साथ मना सकते हैं.

थोड़ी-थोड़ी मात्रा में कई बार खाएं

अगर डायबिटीज के मरीज एक बार में बहुत सारा खाना खाने की बजाय थोड़े-थोड़े अंतराल पर थोड़ा-थोड़ा खाएं, तो वे अपने ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित कर सकते हैं. ऐसा करने से मरीजों के खून में शुगर लेवल सामान्य रहेगा और शरीर को पूरे पोषक तत्व भी मिलेंगे.

फास्ट फूड की जगह पौष्टिक स्नैक्स खाएं

त्योहार की चहल-पहल और उत्साह में खाने-पीने से समझौता न करें. जितना हो सके फास्ट फूड से बचें और तले-भुने और मसालेदार खाने से दूरी बनाए रखें. साथ ही बिस्किट, समोसे, कचौड़ी और पकौड़े जैसी खाद्य सामग्री खाने से बचें. फास्ट फूड की जगह फल और हल्के भुने स्नैक्स खाएं.

शराब और अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से बचें

होली के त्योहार के मौके पर ज्यादातर लोग दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलकर खुशी जाहिर करने के लिए शराब का सेवन करते हैं. शराब आपके ब्लड शुगर लेवल को बढ़ाती है. इसलिए जहां तक ??हो सके शराब या अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करने से बचें और अपने रक्त में शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने का प्रयास करें.

कोल्ड ड्रिंक्स से बचें

त्योहारों के दौरान कोल्ड ड्रिंक्स के सेवन से भी बचना चाहिए. कोल्ड ड्रिंक्स की जगह नारियल पानी या ग्रीन टी को प्राथमिकता देनी चाहिए.

ब्राउन राइस खाएं

ज्यादातर लोग सफेद चावल खाना पसंद करते हैं. लेकिन डायबिटीज के रोगियों को सफेद चावल खाने से बचना चाहिए. दरअसल, सफेद चावल में ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक होता है, जो रक्त शर्करा के स्तर को तेजी से बढ़ाता है. इसलिए सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस या साबुत अनाज का सेवन करना चाहिए.

भुने हुए अमरूद के लाभ जानकर हो जाएंगे हैरान

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खान-पान पर विशेष ध्यान देना बेहद जरूरी होता है. अच्छी सेहत के लिए लोगों को आहार में पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए, इसके साथ ही तरह-तरह के फल का भी सेवन करना चाहिए. अमरूद फल खाना हर किसी को पसंद होता है. स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी अमरूद काफी फायदेमंद होता है. अमरूद स्वास्थ्य को ठीक रखता है, इसमें पोषक तत्वों की प्रचुरता होती है. अमरूद में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ए, विटामिन बी और विटामिन ई होते हैं. अमरूद को अधिकांश लोग ऐसे ही खाते हैं लेकिन यदि इसे रोस्ट कर खाया जाए तो और भी फायदेमंद होगा. इस खबर में प्रसिद्ध पोषण विशेषज्ञ डॉ. जानकी श्रीनाथ से के माध्यम से जाने भुने हुए अमरूद खाने के फायदे के बारे में...

भुने हुए अमरूद खाने के फायदे

भुना हुआ अमरूद खाने में बहुत स्वादिष्ट होता है. यह सेहत के लिए भी अच्छा होता है. अमरूद पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इसमें फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ए, विटामिन सी, पोटैशियम, कॉपर और मैंगनीज जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं.

भुने हुए अमरूद में फाइबर होता है. यह पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करता है. इसे खाने से पेट की समस्याओं जैसे गैस, एसिडिटी और अपच से राहत मिलती है. अमरूद में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी होता है. इसे

भूनकर खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है. इससे शरीर में संक्रमण का खतरा टल जाता है.

भुने हुए अमरूद में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है. यह ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है. यह डायबिटीज रोगियों के लिए रामबाण है. भुने हुए अमरूद में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे खनिज होते हैं।. ये दिल को स्वस्थ रखते हैं. इसे खाने से खराब कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है.

भुने हुए अमरूद खाने से कब्ज, गैस और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत मिलती है. भुने हुए अमरूद में कैल्शियम और फास्फोरस होता है. ये हड्डियों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं. इसे खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं और जोड़ों के दर्द से राहत मिलती है.

भुने हुए अमरूद सर्दी-खांसी से राहत दिलाते हैं. अमरूद की तासीर आमतौर पर ठंडी होती है. ऐसे में भुने हुए अमरूद खाना सेहत के लिए अच्छा होता है. अमरूद में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. ये रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम करते हैं. सर्दियों में भुने हुए अमरूद खाने से सर्दी-खांसी जैसी समस्याएं दूर रहती हैं.

अमरूद में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं. ये दिल से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं. दिल के मरीजों के लिए अमरूद खाना फायदेमंद होता है. एनर्जी से भरपूर अमरूद खाने से आपको एनर्जी मिलती है. इसमें भरपूर मात्रा में पोषक तत्व होते हैं. आप भुने हुए अमरूद की चाट बनाकर भी नाश्ते में खा सकते हैं.

भुने हुए अमरूद खाने से शरीर से कमजोरी और थकान दूर होती है. अगर आपको भूख कम लगती है तो भुने हुए अमरूद खाना बहुत फायदेमंद हो सकता है. भुने हुए अमरूद खाने से भूख बढ़ती है. वजन घटाने में अमरूद खाना फायदेमंद होता है. इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं. यह मेटाबॉलिज्म बढ़ाने और वजन कम करने में मदद करता है.

अमरूद में मौजूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट आपकी त्वचा के लिए फायदेमंद हो सकती है. इसके एंटीऑक्सीडेंट आपकी त्वचा को नुकसान से बचा सकते हैं, जो इसकी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर सकता है, जिससे झुर्रियों को रोकने में मदद मिलती है.

दो महीने तक खाली पेट नारियल पानी पीने से क्या होगा?

नारियल पानी शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इस पानी में मौजूद कुछ तत्व स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देते हैं और पुरानी बीमारियों से बचाते हैं. हालांकि, क्या आपने कभी सोचा है कि अगर आप रोज सुबह 2 महीने तक खाली पेट नारियल पानी पीते हैं तो क्या होता है? खबर में जानें नियमित रूप से नारियल पानी पीने से शरीर में क्या बदलाव आते हैं.

शरीर में आते हैं ये बदलाव

दरअसल, रोजाना नारियल पानी पीना बहुत फायदेमंद होता है. इस पानी में मौजूद कुछ तत्व स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देते हैं और पुरानी बीमारियों से बचाते हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि रोज सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है. यह शरीर में पानी की कमी को भी पूरा करता है.

रोज सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी बढ़ती है. संक्रमण और मौसमी बीमारियों से बचाव होता है. जो लोग हमेशा मौसमी बीमारियों से परेशान रहते हैं उन्हें नियमित रूप से नारियल पानी पीने से फायदा होता है.

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि रोज सुबह नारियल पानी पीने से दिल से जुड़ी समस्याओं से राहत मिल सकती है. इसके कुछ गुण शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं. यह दिल को मजबूत बनाने में भी मदद करता है.

नारियल के पानी में इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं. इनसे शरीर तरोताजा रहता है. संक्रमण से पीड़ित लोगों के लिए यह पानी पीना अच्छा रहता है. साथ ही बीपी, शुगर और दिल की बीमारियां भी कंट्रोल में रहती हैं. आपको बता दें, बढ़ते वजन को कम करने के लिए आपको रोजाना नारियल पानी पीना चाहिए. दिल को स्वस्थ रखने के लिए आपको रोजाना नारियल पानी पीना चाहिए. त्वचा को चमकदार और ग्लोइंग बनाने के लिए भी नारियल पानी उपयोगी है. अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आपको नारियल पानी पीना चाहिए.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के अनुसार, नारियल पानी के कई स्वास्थ्य लाभ हैं, जिनमें शामिल हैं

नारियल पानी में पोटेशियम और मैग्नीशियम होता है, जो किडनी के कार्य, मांसपेशियों के संकुचन और रक्त शर्करा के नियमन में मदद करता है.

नारियल का पानी ग्लूकोज सहनशीलता को बेहतर बनाने और ब्लड शुगर लेवल को कम करने में मदद कर सकता है

नारियल का पानी रेटिना की मोटाई को बेहतर बनाने और सूजन को कम करने में मदद कर सकता है

नारियल के पानी का सिरका कैंसर से जुड़ी सूजन को रोकने और स्तन कैंसर कोशिकाओं की प्रगति में देरी करने में मदद कर सकता है

नारियल के पानी में रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स होते हैं जो रोगजनक बैक्टीरिया से लड़ने में मदद कर सकते हैं

नारियल के पानी में कैटेचिन होते हैं, जिनमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं इलेक्ट्रोलाइट्स- नारियल पानी पोटेशियम, सोडियम और मैग्नीशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स का एक उत्कृष्ट स्रोत है. ये खनिज शरीर में द्रव संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं, जो जलयोजन के लिए आवश्यक है.

हाइड्रेशन- नारियल पानी हाइड्रेशन का एक प्राकृतिक स्रोत है, और यह पसीने के कारण खोए हुए तरल पदार्थ को भरने में मदद कर सकता है. यह शुगर युक्त या हाई कैलोरी वाले पेय का एक उत्कृष्ट विकल्प है, जो निर्जलीकरण में योगदान कर सकता है.

ठंडक प्रदान करने वाले गुण- नारियल पानी में प्राकृतिक शीतलन गुण होते हैं जो शरीर के तापमान को नियंत्रित करने और गर्मी के तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं.

भोजन करते समय ऊपर से भूलकर भी ना करें नमक का सेवन

देश-दुनिया में लोग जाने-अनजाने में जरूरत से ज्यादा नमक सेवन करते हैं. कई लोग खाने के समय काफी मात्रा में अतिरिक्त नमक का सेवन करते हैं. मतलब निर्धारित मात्रा से अत्याधिक नमक सेवन करते हैं. इस कारण धीरे-धीरे हाई बीपी के अलावा कई गंभीर मेडिकल समस्या से ग्रसित हो जाते हैं. डिमेंशिया भी एक ऐसी ही समस्या है. डिमेंशिया से मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को गंभीर नुकसान पहुंचता है. डिमेंशिया से पीड़ित लोगों में सोचने, याद रखने और तर्क करने की क्षमता कम हो जाती है. जापान में यह समस्या काफी आम है. कभी-कभी, डिमेंशिया से पीड़ित लोग पागल भी हो सकते हैं.

चिकित्सा विज्ञान में डिमेंशिया को बीमारी नहीं माना जाता है. वर्तमान में, मस्तिष्क पर पड़ने वाले इसके प्रभाव को कम करने के लिए कोई संतोषजनक उपचार उपलब्ध नहीं है. या फिर डिमेंशिया को ठीक करने के लिए कोई दवा उपलब्ध नहीं है. दुनिया की बढ़ती आबादी के साथ, डिमेंशिया की रोकथाम और उपचार दवाओं की खोज महत्वपूर्ण है. चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना ??है कि डिमेंशिया की समस्या के पीछे मुख्य कारण अत्यधिक मात्रा में टेबल नमक का सेवन है, जो एक सर्वव्यापी खाद्य योजक है. अधिक नमक (एचएस) का सेवन हाई ब्लड प्रेशर का कारण भी बन सकता है. प्रतिकूल स्वास्थ्य परिणामों को रोकने के लिए, विश्व स्वास्थ्य संगठन प्रति दिन 5 ग्राम से कम नमक का सेवन सीमित करने की सलाह देता है. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वयस्कों को प्रतिदिन 5 ग्राम से कम नमक का सेवन करना चाहिए. इसका मतलब है कि हृदय संबंधी बीमारियों को रोकने और स्वस्थ रक्तचाप बनाए रखने के लिए प्रतिदिन 2,000 मिलीग्राम से कम सोडियम का सेवन करना चाहिए.

अगर भारतीय प्रतिदिन 5 ग्राम से कम नमक खाने के विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक का पालन करें, तो वे 10 वर्षों में हृदय रोग (सीवीडी) और क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) से होने वाली अनुमानित 300,000 मौतों को टाल सकते हैं। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किए गए एक मॉडलिंग अध्ययन का निष्कर्ष है. द लैंसेट पब्लिक हेल्थ में प्रकाशित अध्ययन में अनुपालन के पहले 10 वर्षों के भीतर पर्याप्त स्वास्थ्य लाभ और लागत बचत की भविष्यवाणी की गई है, जिसमें 1.7 मिलियन सी.वी.डी. घटनाओं (दिल के दौरे और स्ट्रोक) और 700,000 नए सी.के.डी. मामलों को रोकना शामिल है, साथ ही 800 मिलियन डॉलर की बचत भी शामिल है. वर्तमान में औसत भारतीय प्रतिदिन लगभग 11 ग्राम नमक का सेवन करता है, जो डब्ल्यू.एच.ओ. द्वारा अनुशंसित मात्रा (5 ग्राम/दिन नमक से कम) से दोगुना है.

शोध में क्या हुआ

एंजियोटेंसिन द्धद्ध (एंग II) - एक हार्मोन जो ब्लड प्रेशर और द्रव संतुलन को रेगुलेट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसके रिसेप्टर %एटी1%, साथ ही शारीरिक रूप से महत्वपूर्ण लिपिड अणु प्रोस्टाग्लैंडीन ई2 और इसके रिसेप्टर %ईपी1% की हाई ब्लड प्रेशर और न्यूरोटॉक्सिसिटी में भागीदारी अच्छी तरह से पहचानी जाती है. हालांकि, हाई सॉल्ट मध्यस्थता वाले हाई ब्लड प्रेशर और भावनात्मक/संज्ञानात्मक हानि में इन प्रणालियों की भागीदारी अभी भी मायावी बनी हुई है.

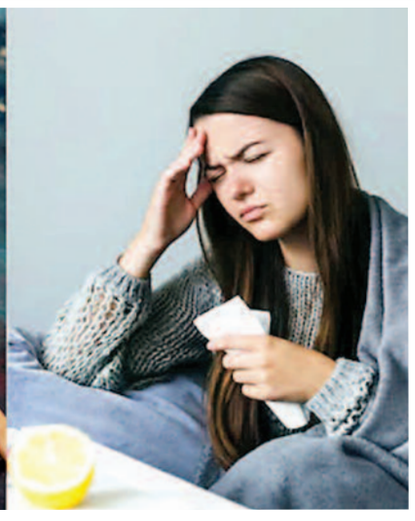

इसके लिए, ब्रिटिश जर्नल ऑफ फार्माकोलॉजी में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन ने एचएस-मेडीटर और भावनात्मक/संज्ञानात्मक हानि के पहलुओं का गहन मूल्यांकन किया है. अध्ययन जापान के सहयोगी शोधकर्ताओं की एक टीम द्वारा किया गया था. क्रॉसस्टॉक द्वारा मध्यस्थता से भावनात्मक और संज्ञानात्मक शिथिलता का कारण बनता है.

फुजिता हेल्थ यूनिवर्सिटी के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस के लेखक हसायोशी कुबोता ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अत्यधिक नमक का सेवन हाई ब्लड प्रेशर, संज्ञानात्मक शिथिलता और मासिक स्वास्थ के लिए एक रिस्क फैक्टर्स माना जाता है. हालांकि, परिधीय और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के बीच बातचीत पर ध्यान केंद्रित करने वाले अध्ययनों ने पर्याप्त जांच नहीं की है.

मेघा बरसेंगे में शॉकिंग अवतार में लौटे किंशुक महाजन

टीवी शो मेघा बरसेंगे में किंशुक महाजन अब एक नए और शॉकिंग अवतार में नजर आएंगे। इस शो में कभी चालाक और बेहद खतरनाक रहे मनोज में अब एक बच्चे की मानसिकता वाला व्यक्ति नजर आ रहा है। लेकिन क्या मेघा इस बात को अपना पाएंगी या नहीं।

क्या वाकई में बदल गया है मनोज

मेघा बरसेंगे में एक चालाक खलनायक रहे मनोज अब पूरी तरह से बदले नजर आए। मनोज के स्वभाव में अब बिल्कुल एक बच्चे की मानसिकता वाला व्यक्ति नजर आ रहा है। लेकिन मोनज के स्वभाव में यह बदलाब मेघा (नेहा राणा) और अर्जुन (नील भट्ट) के लिए एक नई चुनौती लेकर आती है, जो उनके नाजुक रिश्ते को और भी जटिल बना देती है। मेघा, जो पहले मनोज की याददाश्त खोने की बात पर शक करती है, लेकिन फिर धीरे-धीरे समझ जाती है कि मनोज अब सचमुच बदल गया है। लेकिन जब मेघा, मनोज की मासूमियत का इस्तेमाल अर्जुन को जलाने के लिए करती है, तो क्या वह अब सब कुछ खो देगी, जो उसके लिए अनमोल है?

किंशुक महाजन

इस शो में अपने कमबैक के बारे में किंशुक महाजन ने कहा, अभिनेताओं को एक ही शो में अलग तरह के दो किरदार निभाने का मौका शायद ही मिलता होगा। एक खलनायक से लेकर एक ऐसे व्यक्ति तक का सफर, जिसका दिमाग बचपन में अटक गया हो। मेरे लिए यह नया अवतार रोमांचक और चुनौतीपूर्ण दोनों ही है। आगे किंशुक ने कहा, यह सिर्फ एक किरदार का बदलाव नहीं है बल्कि यह एक बिल्कुल नया किरदार है, जिसके लिए एक अलग सोच, ऊर्जा और समझ की जरूरत है। मनोज के किरदार में मैंने वास्तविक जीवन के केस स्टडीज देखी, ताकि मैं समझ सकूं कि भावनात्मक रूप से समय में ठहर जाना क्या होता है।

अपने किरदार मनोज के बारे में किंशुक की राय

किंशुक ने कहा, मुझे सबसे ज्यादा उत्साह इस बात का है कि मनोज एक अप्रत्याशित किरदार है। मुझे यकीन है कि मनोज की वापसी कहानी को अनोखा रूप देगी। मुझे उम्मीद है कि दर्शक शो के इस नए अवतार को उतना ही पसंद करेंगे, जितना मुझे इसे निभाने में आया। मेघा बरसेंगे एक ड्रामा सीरीज है, जिसका प्रीमियर 6 अगस्त 2024 को कलर्स टीवी पर हुआ था। सौरभ तिवारी द्वारा निर्मित इस शो में नेहा राणा, नील भट्ट और किंशुक महाजन महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। इस शो को आप हर रोज शाम सात बजे कलर्स पर देख सकते हैं।

लंबे एक्टिंग करियर के बाद भी साइड रोल देते हैं प्रोडक्शन हाउस

ज्योतिका ने हिंदी और साउथ दोनों ही लैंग्वेज की फिल्मों में एक्टिंग की है। हाल ही में ओटीटी पर स्ट्रीम हुई वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' में वह नजर आईं। इस वेब सीरीज में उनका रोल काफी चैलेंजिंग है। लेकिन अब तक के करियर में जो रोल उन्हें ऑफर हुए हैं, उससे उन्हें कहीं ना कहीं कुछ शिकायत भी है।

हीरो के सामने साइड रोल मिले

ज्योतिका ने हाल ही में बॉलीवुड बबल को दिए गए इंटरव्यू में बताया कि एक लंबे एक्टिंग करियर के बाद भी उन्हें जब बड़े फिल्म मेकर्स, प्रोडक्शन हाउस कोई रोल देते हैं तो वह हीरो के सामने साइड रोल जैसा होता है। यह बहुत ही खराब बात लगती है। ज्योतिका को समझ नहीं आता है कि ऐसे फिल्म मेकर्स करते क्यों हैं?

डिब्बा कार्टेल में उम्दा एक्टिंग

वेब सीरीज 'डिब्बा कार्टेल' में शबाना आजमी के साथ ज्योतिका को काम करने का मौका मिला है। यह सीरीज 28 फरवरी को ओटीटी पर स्ट्रीम हुई है। अपने रोल में ज्योतिका ने जान डाल दी है। लेकिन सीरीज से पहले शबाना ही नहीं चाहती थी कि ज्योतिका को रोल में लिया जाए। इस बात का खुलासा शबाना ने कुछ दिन पहले किया था।

शबाना ने बाद में एक्टिंग को सराहा

पिछले दिनों 'डिब्बा कार्टेल' के एक इवेंट में शबाना आजमी ने ज्योतिका से माफी मांगी। दरअसल, शबाना ने बताया कि वह दूसरी किसी एक्ट्रेस को ज्योतिका वाले रोल के लिए सजेस्ट कर रही थीं। लेकिन बाद में ज्योतिका की एक्टिंग देखकर वह उनकी कायल हो गईं। वेब सीरीज 'डब्बा कार्टेल' की बात की जाए है तो इसकी कहानी कुछ ऐसी महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है जो एक ड्रग माफिया चला रही हैं, लेकिन आम लोग उन्हें सिर्फ टिफिन सर्विस देने वाली महिलाएं समझते हैं। इस शो में शबाना आजमी, ज्योतिका के अलावा शालिनी पांडे, अंजलि आनंद और निमिषा सजयन जैसी एक्ट्रेस भी नजर आएंगी।

अगले साल रिलीज होगी नानी स्टारर द पैराडाइज

निर्देशक श्रीकांत ओडेला की बहुप्रतीक्षित एक्शन-थ्रिलर 'द पैराडाइज' की रिलीज डेट सामने आ चुकी है। फिल्म में नेचुरल स्टार नानी मुख्य भूमिका में हैं। निर्माताओं ने फिल्म से जुड़े एक वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए बताया कि फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निर्माताओं ने एक वीडियो के साथ बताया कि एक्शन फिल्म अगले साल 26 मार्च को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म 'द पैराडाइज' के निर्माताओं ने प्रशंसकों के साथ एक वीडियो भी शेयर किया, वीडियो की शुरुआत एक कमेंट्री से होती है। महिला की आवाज है। वह कहती है, हर किसी ने तोते और कबूतर के बारे में लिखा है। फिर भी किसी ने कौवों की कहानी लिखने की हिम्मत नहीं की। यह उन कौवों की कहानी है, जो उत्पीड़न का शिकार हुए। महिला आगे कहती है, युगों से भटकती बेचैनी की गाथा। एक ऐसी जाति की कहानी जिसे मां के स्तन में दूध की जगह खून मिला। एक चिंगारी ने पूरे समुदाय में वीरता की चिंगारी जलाई। कौवे, जो कभी तिरस्कृत थे, उन्होंने तलवारों को हाथ में थामा। यह मेरे बेटे की कहानी है, जिसने सबको एकजुट किया और नेता बनकर उभरा। टीजर से यह स्पष्ट होता है कि फिल्म समाज से बहिष्कृत एक उत्पीड़ित वर्ग की कहानी है, जो बलवान नेता के नेतृत्व में अपनी लड़ाई लड़ता है।

द पैराडाइज के लिए दर्शक बेहद उत्साहित नजर आए। फिल्म निर्माता श्रीकांत ओडेला नानी के साथ दूसरी बार काम कर रहे हैं। दोनों इससे पहले 'दसारा' में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म में नानी के साथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश अहम भूमिका में थीं। 'द पैराडाइज' के निर्माता सुधाकर चेरुकुरी हैं। इस फिल्म में देश के सबसे लोकप्रिय संगीत निर्देशकों में से एक अनिरुद्ध रविचंदर ने संगीत दिया है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी जीके विष्णु ने की है और संपादन नवीन नूली करेंगे। विनय सागर जोन्नाला फिल्म के मुख्य सह-निर्देशक हैं, जबकि संवाद थोटा श्रीनिवास और अज्जू महाकाली ने लिखे हैं।

जान्हवी कपूर और राम चरण 'आरसी 16' के अगले शेड्यूल के लिये तैयार!

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर साउथ इंडियन अभिनेता राम चरण के साथ आगामी फिल्म 'आरसी 16' में व्यस्त हैं। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में पहले ही शुरू हो चुकी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनो अब फिल्म के अगले शेड्यूल के लिए कमर कस रहे हैं। आइए जानते हैं फिल्म का अगला शेड्यूल किस शहर में शूट होगा।

इस शहर में शूट होगा अगला शेड्यूल

फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक राम चरण और जान्हवी की फिल्म का अगला शेड्यूल कथित तौर पर नई दिल्ली में होने वाला है। हालांकि, फिल्म की टीम या अभिनेताओं की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई हैं। इसे लेकर सिर्फ अटकलें लगाई जा रही हैं। एआर रहमान इस फिल्म के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं। फिल्म के रिलीज की तारीख अभी तक तय नहीं हुई है।

अभिनेत्री प्रीति शुक्ला जल्द ही हुमा कुरैशी के साथ फिल्म बयान में आएंगी नजर

टेलीविजन, वेब सीरीज और फिल्मों में अपनी शानदार अदाकारी से पहचान बना चुकीं वर्सटाइल एक्ट्रेस प्रीति शुक्ला जल्द ही बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी के साथ आगामी फिल्म बयान में नजर आने वाली हैं। अपने अभिनय के जुनून और हर माध्यम में खुद को साबित करने की चाहत के चलते प्रीति ने हमेशा चुनौतीपूर्ण किरदारों को चुना है। प्रीति शुक्ला ने अपने अभिनय करियर में कई दमदार भूमिकाएं निभाई हैं। उन्होंने सोनी सब के चर्चित शो मैडम सर, एंड टीवी के बेगूसराय, और एमएक्स प्लेयर की लोकप्रिय वेब सीरीज माधुरी टॉकीज में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। इसके अलावा, उनकी तेलुगु फिल्म बिग ब्रदर और हिंदी फिल्म एक अंक को भी खूब सराहना मिली। सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि प्रीति फैशन इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवा चुकी हैं। वे कई नामी ब्रांड्स से जुड़ी रही हैं और पॉल एड्म्स और लोटस हर्बल जैसे बड़े ब्रांड्स की ब्रांड एंबेसडर भी रह चुकी हैं। उनकी खूबसूरती और स्टाइल सेंस सोशल मीडिया पर भी छाया रहता है, जहां वे अपनी स्टनिंग तस्वीरों से फैंस का दिल जीतती हैं। इसके अलावा भी फैशन की दुनिया में उनकी अच्छी खासी पकड़ रही है। अब प्रीति जल्द ही हुमा कुरैशी के साथ बयान में नजर आएंगी।

संदीप वांगा ने सलमान खान की इन फिल्मों की तारीफ की

फिल्म एनिमल के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच उनका एक इंटरव्यू सामने आया है, जिसमें उन्होंने सलमान खान की दो फिल्मों को क्लासिक फिल्म कहा है साथ ही इनका सीक्वल ना बनाने की बात भी कही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान संदीप से जब पूछा गया कि वह फ्यूचर में हम आपके हैं कौन और हम साथ साथ हैं में से किस फिल्म का सीक्वल बनाना चाहेंगे। तो इस पर संदीप ने कहा, ये फिल्में उस समय बनाई गई थीं जब व्यावसायिक सिनेमा अपने चरम पर था। इन दोनों ही फिल्मों को काफी विश्वास के साथ तैयार किया गया था और मैं उन क्लासिक्स को छूने की हिम्मत नहीं कर सकता था।

दोनों ही फिल्मों में सलमान खान हैं

हम आपके हैं कौन और हम साथ साथ हैं दोनों सूरज बड़जात्या द्वारा निर्देशित फिल्में हैं। हम आपके हैं कौन में सलमान खान के अलावा माधुरी दीक्षित ने मुख्य अभिनय किया था। इस फिल्म को सुरज बड़जात्या ने लिखा और निर्देशित किया है और यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है। फिल्म हम आपके हैं की कहानी से लेकर इस फिल्म के गाने आज भी दर्शकों को बेहद पसंद हैं।

वहीं फिल्म हम साथ साथ हैं में भी सलमान खान मुख्य भूमिका में थे। हम साथ साथ हैं एक पारिवारिक ड्रामा फिल्म है। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शंस के तहत सूरज बड़जात्या द्वारा लिखित और निर्देशित है। इस फिल्म में सलमान खान के अलावा सैफ अली खान, सोनाली बेंद्रे, नीलम कोठारी, करिश्मा कपूर, तब्बू, महेश ठाकुर, रीमा लागू, आलोक नाथ, शक्ति कपूर, सतीश शाह, सदाशिव अमरापुरकर, अजीत वाचानी हिमानी शिवपुरी और मनीष बहल ने अहम भूमिका निभाई थी। रिलीज के बाद अपनी आपार सफलता और दर्शकों के प्यार ने इसे क्लासिक फिल्म बना दिया।

मीका सिंह को बिपाशा के साथ काम करने का अफसोस

सिंगर मीका सिंह ने बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर के साथ फिल्म में काम करने के अनुभव को साझा किया है। एक इंटरव्यू में मीका ने कहा है कि क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'डेंजरस' में अभिनेत्री बिपाशा बसु के साथ काम करना उनके लिए बुरा अनुभव रहा।

नखरे की वजह से नहीं मिल रहा काम

एक इंटरव्यू में गायक ने कहा कि बिपाशा ने सीरीज में काम करते समय नखरे दिखाए। वो अपने रवैये के कारण आज काम से बाहर हैं। मीका कहते हैं- 'आपको ऐसा क्यों लगता है कि वे अब काम से बाहर हैं? भगवान सब देख रहा है। मैं करण को बहुत पसंद करता था और एक कम बजट की फिल्म बनाना चाहता था। लगभग 4 करोड़ रुपए की।'

बिपाशा प्रोजेक्ट में जबरदस्ती शामिल हुई

मीका आगे कहते हैं कि उस समय वो विक्रम भट्ट को बतौर निर्देशक अफोर्ड नहीं कर सकते थे। इसलिए उन्होंने उन्हें भूषण पटेल को डायरेक्टर के लिए चुना। हालात तब बदल गए जब बिपाशा ने इस प्रोजेक्ट में शामिल होने की जिद की। मैं किसी और एक्ट्रेस को लेने पर विचार कर रहा था, लेकिन वह इसका हिस्सा बनना चाहती थीं। शूटिंग लंदन में सेट की गई थी। बजट 4 करोड़ से बढ़कर 14 करोड़ हो गया। फिर बिपाशा ने जो नाटक क्रिएट किया, उससे यह तय हो गया कि मुझे प्रोडक्शन में आने का हमेशा अफसोस रहेगा। यह एक ऐसी टीम थी जिसके साथ वह सहज थीं और वे दोनों एक कपल की भूमिका निभा रहे थे। उनका किसिंग सीन भी था। अचानक, वो नखरे दिखाने लगीं कि वह ऐसा नहीं करेंगी। मीका ने यह भी साझा किया कि उन्होंने कभी भी उनके पेमेंट में देरी नहीं की। लेकिन जब डबिंग की बात आई तो वो भी पूरा करना मुश्किल होने लगा। उन्होंने कहा, 'किसी न किसी का गला हमेशा खराब रहता है। अगर एक समय बिपाशा बीमार थी तो दूसरे समय करण बीमार थे। बता दें कि एमएक्स ओरिजिनल की क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'डेंजरस' 2020 में रिलीज़ हुई। मीका इस सीरीज के प्रोड्यूसर थे। विक्रम भट्ट ने इसकी कहानी लिखी थी।

क्या रवि दुबे-सरगुन मेहता की जोड़ी छोटे पर्दे पर साथ आएगी नजर?

हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि रवि दुबे और सरगुन मेहता एक नए टीवी सीरियल में साथ नजर आएंगे। यह दोनों एक फैमिली ड्रामा सीरियल का हिस्सा जल्द ही बनेंगे। रवि दुबे और सरगुन मेहता असल जिंदगी में भी पति-पत्नी हैं, दोनों की शादी साल 2013 में हुई थी। सरगुन मेहता ने कई टीवी सीरियल्स किए हैं। इन दिनों वह पंजाबी फिल्मों में लीड एक्ट्रेस के तौर पर एक्टिव हैं। रवि दुबे भी कई टीवी सीरियल कर चुके हैं। होस्टिंग भी करते हैं। जल्द ही वह रणबीर कपूर की फिल्म रामायण में लक्ष्मण की भूमिका निभाते हुए दिखेंगे।

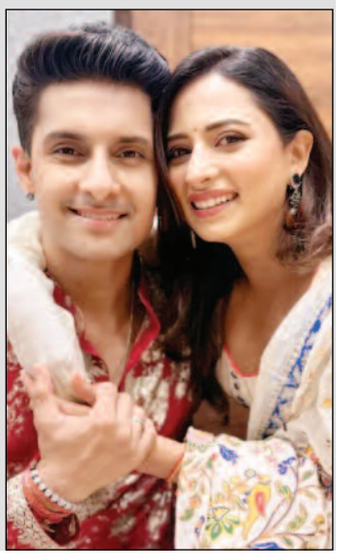

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट संपादक ओमवीर आर्य द्वारा वत्स ऑफसेट, पता- मुद्दा हाउस, सी-ब्लॉक, बारात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जिला गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673